हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 7 जुलाई 2024

10 अधिकारी काम के प्रति हों जवाबदेह : रणजीत सिंह

10 प्रदेश में बनेगी तीसरी बार भाजपा की सरकार : रणबीर गंगवा

खबर संक्षेप

फतेहाबाद व टोहाना से दो युवतियां लापता

फतेहाबाद। फतेहाबाद व टोहाना शहर से दो युवतियों के लापता होने का समाचार है। दोनों मामलों में परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में लाजपत नगर फतेहाबाद निवासी एक महिला ने कहा है कि उसका 18 वर्षीय लड़की गत दिवस बिना घर पर बताए कहीं चली गई है और वापस नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

फतेहाबाद और भूना से दो मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने फतेहाबाद व भूना से दो मोटरसाइकिल चोरी कर लिए। भूना पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 11 भूना निवासी रविश मेहता ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बाजार गया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को अपने पिता के कार्यालय के बाहर खड़ा किया और अंदर चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस बाहर आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब था। इस पर पहले उसने आसपास तलाश की लेकिन जब मोटरसाइकिल बारे कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

चोरों ने हजारों की नकदी व मोबाइल चुराए

फतेहाबाद। चोरों ने टोहाना में एक मकान में घुसकर हजारों की नकदी व दो मोबाइल फोन चोरी कर लिए। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और जांच पड़ताल की। पुलिस को दी शिकायत में टोहाना निवासी साहिल ने कहा है कि उसका भूना रोड पर न्यू आदर्श कालोनी में मकान है। गत रात्रि वह खाना खाकर सो गए थे। सुबह करीब 4 बजे जब वह उठा तो उसने देखा कि उसके घर के दरवाजे खुले पड़े थे और अलमारी भी खुली थी। जब उसने सामान की जांच की तो पाया कि अज्ञात चोर उसके मकान में घुसकर वहां से दो मोबाइल फोन व 30 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए है।

गल्ले से युवक ने हजारों की नकदी चुराई

फतेहाबाद। टोहाना में धर्मकांटे से एक युवक हजारों रुपये की नकदी चोरी कर फरार हो गया। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में सुरेन्द्र मोहन ने कहा है कि उसका टोहाना में हिसार बाईपास रोड पर बजरंगी धर्मकांटा है। गत दिवस सुबह करीब 6 बजे धर्मकांटे के कर्मचारी भूरे लाल ने जब गेट खोला और लेट गया। इसी दौरान एक अज्ञात युवक वहां आया और धर्मकांटे के गल्ले में रखे पर्स से 6100 रुपये की नकदी चोरी कर ले गया। उसने कमरे में अन्य सामान चुराने का प्रयास किया।

तस्कर से 26 पेटी अवैध शराब बरामद

डबवाली। चौटाला चौकी पुलिस ने गश्त के दौरान बस अड्डा क्षेत्र से एक व्यक्ति को 26 पेटी अवैध शराब बरामद की है। चौटाला पुलिस चौकी प्रभारी जयवीर ने बताया कि मुख्य सिपाही कुलदीप पुलिस पार्टी के साथ गश्त के दौरान बस अड्डा पर मौजूद थे। इस दौरान यूचना मिली की ढाणी चौटाला पर एक व्यक्ति अवैध शराब बेचता है। मुख्य सिपाही ने पुलिस टीम के साथ ताए गए स्थान पर दबिश दी। मौका पर पूछताछ से पता चला कि भागने वाला व्यकित मुकेश कुमार उर्फ महाबीर सिंह पुत्र लीलाधर निवासी ढाणी चौटाला ही था। तलाशी लिए जाने पर अवैध शराब की 26 पेटी मिली। आरोपी के खिलाफ थाना सदर डबवाली में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

2 जुलाई को 32, 4 जुलाई को 26 व 6 जुलाई को 40 एमएम हुई बरसात, किसानों के चेहरों पर मुस्कान

मानसून मेहरबान : पहले सप्ताह में ही महीने का कोटा पूरा, जाखल व रतिया में हुई ज्यादा बरसात

शनिवार को जिले में हुई बरसात

फतेहाबाद	:	40 एमएम
कुलां	:	22 एमएम
रतिया	:	17 एमएम
भट्टूकलां	:	18 एमएम
भूना	:	7 एमएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

इस बार जुलाई के शुरू में ही मानसून फतेहाबाद पर मेहरबान दिखाई दे रहा है। शनिवार को यहां मानसून की लगातार तीसरे दिन बरसात हुई, जिससे लोगबाग तो क्या किसान भी निहाल नजर आए। शनिवार को यहां सुबह दो घंटे हुई बारिश से बाजारों के साथ खेत भी पानी से भर गए। फतेहाबाद शनिवार को 40 एमएम बरसात दर्ज की गई। अब तक जुलाई मास में हुई बरसात ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए। आमतौर पर फतेहाबाद में जुलाई के तीसरे सप्ताह बारिश शुरू होती है। 12 साल बाद यह पहला मौका है जब जुलाई के पहले सप्ताह जमकर पानी बरस रहा है। अब तक यहां 98 एमएम बारिश दर्ज की जा चुकी है। शनिवार को हुई बरसात से शहर की सड़कें पानी से लबालब नजर आई। शहर के मुख्य चौक जवाहर चौक, थाना रोड, भट्टू रोड, एमसी कालोनी मोड, जीटी रोड, धर्मशाला रोड, तुलसीदास चौक, नागरिक अस्पताल के बाहर सहित सभी निचले इलाकों में भारी जलभराव से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बता दें कि शनिवार सुबह करीब 9 बजे अचानक आसमान बादलों से घिर गया और देखते ही देखते झमाझम बरसात शुरू हो गई। बरसात के चलते उमस की बेहाल लोगों को एक बारगी तो राहत मिली लेकिन दोपहर को फिर से सूर्यदेवता के निकलते से उमस ने लोगों के पसीने छुड़वा दिए। शनिवार को हुई बरसात के कारण सड़कों पर भारी जलभराव हो गया और वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि अधिकतर क्षेत्रों से कुछ ही समय बाद जल की निकासी हो गई और लोगों को राहत मिली। फतेहाबाद जिला राजस्थान से सटा जिला है। पुराना हिसार जिला जिसमें हिसार, सिरसा, फतेहाबाद आते हैं, को राजस्थान की श्रेणी में माना जाता है। जब भी प्रदेश में मानसून आया, उसके शुरूआती दौर में फतेहाबाद में बारिश नहीं हुई। फतेहाबाद में आमतौर पर 15 से 20 जुलाई के बीच बरसात की शुरूआत होती है जोकि सितम्बर तक चलती है। बीते वर्ष जुलाई मास में बाढ़ तो जरूर आई लेकिन फतेहाबादवासी बरसात को तरस गए। बीते वर्ष जून में 80 एमएम व जुलाई मात्र 133 एमएम ही बारिश हुई। अब जबकि यहां जुलाई के पहले सप्ताह में ही तीसरी बरसात हुई है, उसमें भी 98 एमएम बारिश दर्ज की गई जोकि एक रिकार्ड है।

फतेहाबाद। नेशनल हाइवे पर एमसी कालोनी के बाहर जलमग्न हुई सड़क।

फतेहाबाद। थाना रोड पर बहता बरसाती पानी। फोटो : हरिभूमि

रतिया। भारी बरसात से जलमग्न हुई शहर की सड़कें व बाजार।

रतिया की सभी कालोनियों में जलभराव

रतिया। रतिया में भी आज जबरदस्त बरसात हुई। शहर में सुबह 9 बजे के करीब 11 बजे तक जमकर मूसलाधार बारिश हुई। बारिश से शहर आलम यह था कि पूरे शहर में जल भराव की स्थिति बन गई और जगह-जगह पानी खड़ा हो गया। शहर के फतेहाबाद रोड, टोहाना रोड, ओबीसी बैंक वाली मंडी रोड, शक्ति नगर, अग्रवाल धर्मशाला के समीप की बाजार, सरदूलगढ़ कैंची, अरोड़ा कॉलोनी, टिब्बा कॉलोनी, गली नंबर 9, मढ़ कॉलोनी, रामनगर कॉलोनी, कलर कॉलोनी आदि के अलावा शहर का कोई ऐसा हिस्सा नहीं था जहां पानी का भारी भराव ना हुआ हो। अनाज मंडी स्थित ओबीसी बैंक के साथ कई-कई फुट पानी खड़ा हो गया और कई लोग अपने-अपने वाहनों सहित इस पानी में फंस गए। फतेहाबाद रोड, कैंटर यूनियन के समीप, मेन बाजार व अग्रवाल धर्मशाला के समीप तो पानी इतना अधिक खड़ा हो गया कि लोगों की दुकानों के अंदर पानी चला गया। जिससे दुकान के फर्नीचर व सामान को काफी नुकसान पहुंचा। शक्ति नगर, रामनगर कॉलोनी व कलर कॉलोनी में लोगों के घरों में बरसात का पानी जा घुसा।

शेरपुरा में बरसाती पानी घरों में घुसा, लोगों को करना पड़ा परेशानी का सामना

डिंग। शनिवार को हुई बरसात के दौरान गांव शेरपुरा में मामूली बरसात के साथ गांव के वार्ड नंबर एक और दो के घरों में गलियों का गंदा पानी घुस गया। पानी घुसने से घरेलू सामान व पशुओं का चारा भीग कर खराब हो गया। वार्ड नंबर 1 के नानूराम, आनंद कुमार, प्रशांत तथा वार्ड नंबर 2 से अजय सिंह, देवी सिंह व हजारी के घरों में पानी घुस गया जिससे घर का सामान तथा पशुओं की तुड़ी भीगकर खराब हो गई। ग्रामीण आनंद पारीक ने बताया कि शेरपुरा कुसुंबी रोड पर बी एंड आर द्वारा गली का निर्माण किया गया था। इसके साथ पानी निकासी के लिए खाल बनाया गया है। यह खाल आगे जाकर अंडरग्राउंड किया गया है जिससे खाल में कचरा आने से खाल आ??वरफ्लो होकर गांव का गंदा पानी लोगों के घरों में घुस गया। अगर बरसात 'यादा होती तो लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ता। उन्होंने बताया कि इस परेशानी को लेकर विभाग के एक्सईएन व दो बार डीसी को तथा दो बार सीएम विंडो पर भी शिकायत दी जा चुकी है लेकिन इस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने प्रशासन व विभाग से मांग करते हुए कहा कि समय रहते इस समस्या का समाधान करें अन्यथा बारिश के दिनों में लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

जिलाभर में जमकर हुई बरसात, शहरी इलाकों में जलभराव की स्थिति

सिरसा। जिला के कई स्थानों पर शनिवार सुबह जमकर बरसात हुई, जिससे आमजन को राहत मिली। बरसात से शहरी इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई, वहीं फसलों के लिए बरसात काफी लाभदायक मानी जा रही है। जिलाभर में औसतन 15 एमएम बरसात हुई। किसानों द्वारा वर्तमान समय में धान व नरमा की उपज बीजी हुई है और उन्हें दिन प्रतिदिन पानी की आवश्यकता महसूस हो रही थी। आसमान से बरसी राहत ने किसानों की मन की मुराद पूरी कर दी। सिरसा शहर व आसपास के सभी गांवों में हुई अच्छी बरसात के कारण धान, नरमा, कपास व ग्वार की फसल का बेहतर उत्पादन होने की आस जाग गई है। किसान कुलदीप जांगू, रमेश, सुरजीत, सुभाष व जयवीर आदि ने बताया कि पिछले लंबे समय से बरसात की अपेक्षा थी क्योंकि बरसात के अभाव में उनकी नरमा, कपास व धान की फसल झुलसने के कगार पर थी। उन्हें ट्यूबवेल के माध्यम से अपनी फसलों की सिंचाई पर बाध्य होना पड़ रहा था। इस बरसात ने उपरोक्त फसलों को संजीवनी प्रदान की है। जहां एक ओर इस बरसात के कारण किसानों को काफी लाभ हुआ है वहीं दूसरी ओर इस बरसात ने शहर में कुछ दिक्कतें भी पैदा की। शहर के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति ने शहरवासियों के लिए परेशानी पैदा की।

काजलहेड़ी में मकान से गहने व नकदी चोरी युवक पर केस दर्ज

फतेहाबाद। गांव काजलहेड़ी में एक मकान से चोर हजारों के गहने व नकदी चोरी कर ले गया। इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव का ज ल हे ड़ी निवासी संदीप ने कहा है कि गत रात्रि चोर उसके मकान में घुस गया और वहां से सोने व चांदी के गहनों के अलावा 8 हजार रुपये की नगदी चोरी कर ले गया है। सुबह जब उसे चोरी का पता चला तो उसने इस बारे अपने स्तर पर जांच पड़ताल की। उसने आरोप लगाया कि गांव काजलहेड़ी निवासी अजय नामक युवक ने उसके मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इस पर उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

■ गहनों के अलावा 8 हजार रुपये की नगदी ले गया चोर

त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब देब के सम्मान में समारोह का आयोजन

■ भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राधाकृष्ण नारंग ने किया पूर्व सीएम का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा के प्रदेश सहप्रभारी एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राधाकृष्ण नारंग द्वारा गांव भोड़ियाखेड़ा में आयोजित सम्मान समारोह में एवं भोज कार्यक्रम में पहुंचे। इस अवसर पर उनके साथ राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व सांसद डॉ. अशोक तंवर, हांसी के विधायक विनोद भ्याना, फतेहाबाद के विधायक दुड़ाराम, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा, भाजपा जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा, हरियाणा सरकार में चेयरमैन भारत भूषण मिढ़ा, चेयरमैन वेद फुलां, पूर्व विधायक एवं चेयरमैन रविन्द्र बलियाला विशेष तौर पर मौजूद रहे। इस सम्मान समारोह में राधाकृष्ण नारंग द्वारा प्रदेश सहप्रभारी बिप्लब देब को स्मृति चिन्ह भेंट कर और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा अन्य अतिथियों को भी पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिप्लब देव ने कार्यकर्ताओं से जोर-शोर से आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रवीन जोड़ा, वरिष्ठ भाजपा नेता राजपाल बैनीवाल, पार्टी महामंत्री अशोक जाखड़, जिला परिषद चेयरमैन सुमन खिचड़, नगरपरिषद वाइस चेयरमैन सविता टुटेजा, ब्लाक समिति चेयरमैन पूजा रानी, नगरपरिषद के पूर्व प्रधान दर्शन नागपाल आदि मौजूद रहे।

त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब देब को सम्मानित करते भाजपा नेता राधाकृष्ण नारंग।

पहले लिफ्ट ली और बाद में झांसा देकर बाइक लेकर हुआ फरार

फतेहाबाद। लिफ्ट लेकर मोटर साइकिल पर सवार हुआ युवक बाईक मालिक को झांसा देकर उसका बाइक लेकर फरार हो गया। इस बारे पीड़ित युवक ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। भूना पुलिस को दी शिकायत में हिसार जिले के गांव चमारखेड़ा निवासी बलराज ने कहा है कि गत दिवस वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर उकलाना से अपने गांव चमारखेड़ा आ रहा था। रास्ते में एक युवक मिला जिसने सनियाना तक जाने की बात कही और मोटरसाइकिल पर सवार हो गया। उसने अपना नाम नसीब कुमार निवासी मातनहेल जिला झज्जर बताया। जब वह सनियाना पहुंचे तो उक्त युवक ने उससे मोटरसाइकिल मांगा और कहा कि वह गांव में किसी काम से जाकर आ रहा है। उस पर विश्वास करके उसने अपना मोटरसाइकिल उसे दे दिया लेकिन जब काफी देर तक वापस नहीं आया।

जलभराव के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार: पुनिया

■ मानसून से पहले नहीं की गई सीवरेज लाइनों की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव डॉ. विनीत पुनिया ने फतेहाबाद में बारिश से हुए जलभराव को लेकर भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले सीवरेज लाइनों की सफाई न होने से शहर में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। शनिवार को फतेहाबाद की गीता बर्फ कालोनी में जनसंपर्क अभियान चलाते हुए डॉ. विनीत पुनिया ने कहा कि मानसून की पहली बारिश में ही फतेहाबाद शहर में जवाहर चौक, धर्मशाला रोड, तुलसीदास चौक, भट्टू रोड, भीमा बस्ती, एसबीआई रोड, माजरा रोड, बीघड़ चौक, सिविल अस्पताल साथ लगती गलियों, ठाकुर बस्ती समेत अन्य स्थानों पर जलभराव ने लोगों की मुसीबत बढ़ा दी हैं। लोगों का शहर की सड़कों से निकलना तक दूभर हो रहा है। शहर में पानी निकासी के प्रबंध को लेकर जन स्वास्थ्य विभाग न तो समय से तैयार हुआ और न ही नगर परिषद ने कोई तैयारी की। शहर में सीवरेज पाइप लाइनों की सफाई ही नहीं हुई। इस लापरवाही के कारण बारिश के बाद हुए जलभराव से सड़कों ने तालाब का रूप धारण कर लिया है। सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं और सड़कों पर बह रहा गंदा पानी बीमारियों को न्यौता दे रहा है। इसके साथ ही कई स्थानों पर पीने का पानी गंदा आने की भी शिकायतें मिल रही हैं। पुनिया ने याद दिलाया कि पिछले वर्ष फतेहाबाद जिले में बाढ़ से फसलों को नुकसान हुआ था। लोगों के घर बाढ़ में डूब गए थे। उस वक्त पुराने बांधों को मजबूत करने व नए बांध बनाने की घोषणा हुई थी, परंतु अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

विवाहिता ने फंदे पर लटककर दी जान, ससुरालियों पर केस

■ मायके वालों ने ससुरालियों पर लगाया दहेज हत्या का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जाखल

गांव कुलां में एक विवाहिता ने शनिवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके मायके वालों का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा उनकी बेटी को प्रताड़ित किया जा रहा था, जिससे परेशान होकर उसने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली हैं। इस मामले में पुलिस द्वारा मायके वालों की शिकायत पर मृतका के पति सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। मिली जानकारी मुताबिक पंजाब के तलवंडी निवासी महिला सुलेखा की शादी लगभग 6 वर्ष पहले कुलां निवासी सन्नी से की गई थी। शनिवार को उसने संदिग्ध परिस्थितियों में अपने कमरे में फांसी के फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। मृतका सुलेखा की बहन रीना का आरोप हैं कि उसकी बहन के ससुराल जनों द्वारा काफी समय से उसे तंग परेशान किया जा रहा था। रीना का आरोप है कि घरेलू कलह से तंग आकर ही उसकी बहन ने आत्महत्या कर जान दे दी है। टोहाना सदर थाना के प्रभारी देवीलाल ने बताया कि सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचे। उनके पहुंचने से पहले ही शव को फंदे से उतार लिया गया था। इसके बाद पुलिस ने छानबीन करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पंजाब स्टील फर्नीचर एवं ग्राम सचिव के बेटे की फर्मों को दिए जा रहे टेंडर

समिति के 19 सदस्यों ने अध्यक्ष के खिलाफ की बगावत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पंचायत समिति फतेहाबाद के 19 सदस्यों ने चेयरमैन पूजा चराईपौत्रा के खिलाफ बगावत कर दी है। अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए समिति के सदस्यों ने विकास कार्यों में अध्यक्ष प्रतिनिधि कालू बरसीन व विधायक दुड़ाराम पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप जड़े। बीडीपीओ कार्यालय में पंचायत समिति के 30 में से 19 सदस्यों ने बैठक की। इन सदस्यों ने खुलकर कहा कि हाउस में विधायक दुड़ाराम का हस्तक्षेप है तथा चेयरमैन विधायक के दबाव में है जिसके चलते ग्रांट वितरण व टेंडर दोनों में भारी गड़बड़ी हो रही है। पार्षद वीरेंद्र, हरभजन सहित अन्यों ने कहा कि हाउस की पहली बैठक में सबको 4-4 लाख रुपये ग्रांट देने पर सहमति हुई थी लेकिन चेयरपर्सन ने ग्रांट का बराबर वितरण नहीं किया। इतना ही नहीं मैंबरों ने यह भी कहा कि अब तक हाउस द्वारा पास ग्रांट से जितने भी काम हुए हैं उन सबसे के टेंडर दो ही फमार्ें को दिए गए हैं। एक पंजाब स्टील एवं फर्नीचर है जबकि दूसरी फर्म ग्राम सचिव नरेन्द्र चानणा के बेटे के नाम है। नरेन्द्र चानणा को विधायक का दायां हाथ माना जाता है और वे पूर्व में विधायक के पीए भी रह चुके हैं। इसके बाद पंचायत समिति सदस्यों ने डीसी के नाम सीटीएम को ज्ञापन भी सौंपा। पंचायत समिति वार्ड 16 के पार्षद धांगड़ के वीरेंद्र ने बताया कि उनके वार्ड में 50 आरसीसी पाइप डाली गई जबकि कागजों में 75 पाइपों के बिल पास किए गए हैं। उनके 30 कुर्सियां देने के बिल पास हैं लेकिन उन्हें सिर्फ 10 कुर्सियां ही मिली हैं। साइन बोर्ड साढ़े 22 हजार का लगा दिया। पंचायत समिति सदस्यों ने कहा कि 1200 स्क्वेयर फीट का शैड लगाने का खर्च 5 लाख दिखाया गया है जबकि इसकी कीमत इससे आधी ही है। धांगड़ गांव में छोटे से शौचालय को बनाने का खर्च 4 लाख दिखाया गया है वहीं पानी के छोट टैंक 1 से 2 लाख से बने दिखा कर बड़े स्तर पर गड़बड़ी की गई है।

चेयरमैन प्रतिनिधि लेते हैं विधायक का नाम

पंचायत समिति सदस्यों का कहना है कि जब भी वे विकास कार्यों पर सवाल उठाते हैं तो चेयरमैन प्रतिनिधि कालू बरसीन का रटा-रटाया जवाब होता है कि वे विधायक के कहे अनुसार ही काम कर रहे हैं। पंचायत समिति कार्यालय में एक आरटीआई एक्टिविस्ट से हुए विवाद में चेयरमैन प्रतिनिधि कालू ने विधायक का ही नाम लिया था।

सदस्य बोले : विजिलैंस से करवाई जाए घोटालों की जांच

पंचायत समिति सदस्य हरभजन, रविंद्र, फकीरचंद, भजनलाल, बनवारी, सुंदर, हनुमान व अनिल ने चेयरमैन व विधायक पर अनदेखी का आरोप लगाया और कहा कि विकास कार्यों को लेकर उनसे कोई राय नहीं ली जाती। सीधे गांव के सरपंच से प्रस्ताव लेकर गांवों में शैड व पाइपलाइन जैसे काम करवा दिए गए हैं। ज्ञापन में सदस्यों ने पंचायत समिति द्वारा करवाए गए विकास कायारें की विजिलेंस से जांच करवाने की मांग की है ताकि भ्रष्टाचारियों की पोल खुल सके।

क्या कहती हैं चेयरमैन पूजा

पंचायत समिति फतेहाबाद की चेयरमैन पूजा चराईपौत्रा ने सदस्यों द्वारा उन पर लगाए गए भ्रष्टाचारों के आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि विधायक हमारे हाउस के सम्मानित सदस्य हैं, उनके सम्मान करना हमारा काम है। हाउस द्वारा अब तक जितने भी काम करवाए गए हैं सभी सही और नियमानुसार करवाए गए हैं।

लगातार कुलाचें भर रहा शेयर बाजार, अब क्या करें निवेशक

एसआईपी का टारगेट पूरा हो गया है तो पैसा निकालने का सही समय

●

सेंसेक्स 80,000 के पार पहुंचा, निवेशकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया

● एक्सपर्ट बोले, एसआईपी कर रहे हैं घबराएं नहीं, निवेश करते रहें● बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी निवेश बढ़ाएं ● मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशक लंबी अवधि का लक्ष्य बनाए ● इक्विटी में एसआईपी जारी रखें, अच्छा मुनाफा देकर जाएगा बाजार

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार अपने रिकॉर्ड हाई पर है। यह लगातार कुलाचें भर रहा है और नित नए रिकॉर्ड बना रहा है। निवेशक हर रोज लाखों रुपये कमा रहे हैं। लगातार बढ़ते बाजार के कारण 4 जुलाई को बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स ने पहली बार 80,000 का स्तर पार कर लिया। 12 दिसंबर 2023 को सेंसेक्स 70 हजार तक पहुंचा था, यानी 7 महीनों से कम समय में इसने 10 हजार अंकों की तेजी दिखाई है। वहीं, 2 साल की बात करें तो सेंसेक्स 53 हजार से 27 हजार अंक बढ़कर 80 हजार के लेवल तक पहुंचा है। कोविड के समय की बात करें तो सेंसेक्स मार्च 2020 में 26,000 के लेवल पर था। तब से अब तक इसमें 54,000 अंकों की तेजी आ चुकी है। अब सवाल यह है कि इक्विटी में इतनी बड़ी रैली रैली आने के बाद इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेशकों को क्या करना चाहिए। एसआईपी भुना लें या अभी भी जारी रखें। इस रिपोर्ट हम देंगे ऐसी ही जानकारी जो आपके निवेश की बढ़त बनाए रखेगी।

अवास्तविक नहीं बाजार की तेजी

बाजार के जानकारों का कहना है कि 4 साल पहले देखें तो मार्च 2020 में सेंसेक्स 26,000 के लेवल के आस पास था, जो अब करीब 54,000 अंक बढ़कर 80,000 के पार चला गया है। यह अवास्तविक लगता जरूर है, लेकिन यह सच भी है। यह निवेशकों को भरोसा दिलाता है कि इक्विटी बाजारों ने लंबे समय में अच्छा प्रदर्शन किया है, हमें निवेश करते समय और उसके बाद भी धैर्य और आत्मविश्वास की आवश्यकता है। मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशकों को लंबी अवधि का लक्ष्य बनाकर इक्विटी में एसआईपी जारी रखना चाहिए। म्यूचुअल फंड स्ट्रैटेजीज, स्टॉक मार्केट में सीधे निवेश करने से अलग होती है। लंबी अवधि के निवेशक जिनके पास अच्छी तरह से डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो हैं और एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं, उन्हें लंबी अवधि तक निवेश को बनाए रखना चाहिए। बंद नहीं करना चाहिए।

बाजार कमजोर हो तो यूनिट खरीदें

बाजार में यह रैली पहली बार नहीं है। रैली और फिर कंसोलिडेशन ये बाजार के नेचर में हैं। इसलिए बाजार भले ही 80,000 के पार चला गया है, आगे भी इसमें तेजी आती रहेगी। इसलिए एसआईपी कर रहे हैं तो बाजार की तेजी से घबराने की बजाय, एसआईपी में बने रहें, बल्कि बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी बाजार की गिरावट पर निवेश बढ़ा दें।

अगर गोल पूरे हो गए

अगर आपके फाइनेंशियल गोल पूरे हो गए हैं तो आप इक्विटी से अपना पैसा किसी ज्यादा सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट कर सकते हैं। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि मान लिया आपने बच्चे के हायर एजुकेशन के लिए एसआईपी शुरू किया था। आपका लक्ष्य इसके जरिए 15 लाख जुटाने का था। अगर आपके एसआईपी की वैल्यू 15 लाख हो गई है या बिल्कुल इसके करीब है, तो आपको बाजार के इस वैल्युएशन पर अपना पैसा किसी सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट करने की सलाह दी जाती है। इससे लक्ष्य तक आपको एक भी पैसा नुकसान नहीं होगा। आप अपना पैसा एफडी या डेट विकल्पों में शिफ्ट कर सकते हैं। इससे आपके लक्ष्य पूरे हो जाएंगे और आपका निवेश भी सुरक्षित रहेगा।

पहली बार के निवेशकों के लिए

अगर आप बाजार में नए हैं तो आपको एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी पर चलना होगा, जहां इक्विटी, डेट और गोल्ड का सही रेश्यो हो। इक्विटी में एक्सपोजर चाहते हैं तो अभी के दौर में लार्जकैप और मल्टी कैप फंड बेहतर विकल्प हैं। एसेट अलोकेशन अपनी उम्र और जोखिम लेने की क्षमता के आधार पर तय कर सकते हैं।

रिस्क क्षमता जांच लें

अगर 21 से 40 साल की उम्र है और रिस्क ले सकते हैं तो इक्विटी में 80 फीसदी और डेट में 20 फीसदी अलोकेट रख सकते हैं। उम्र अगर 40 से 55 साल है तो मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में आएंगे। ऐसे में आप इक्विटी और डेट में 60 और 40 फीसदी या 50 और 50 फीसदी रेश्यो तय कर सकते हैं। उम्र 55 साल से ज्यादा है यानी आप रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर कन्जर्वेटिव इन्वेस्टर हैं, तो इक्विटी और डेट में एक्सपोजर 40 फीसदी और 60 फीसदी होना चाहिए। इस तरह से निवेश करेंगे तो आपको नुकसान नहीं होगा। अगर इक्विटी नुकसान करेगी तो डेट इसकी भरपाई कर देगा। निवेश करते समय अच्छी रणनीति अपनाएंगे तो नुकसान से बचा जा सकता है। इसलिए सावधानी, धैर्य के साथ रणनीति बनाकर निवेश करें।

स्मॉल कैप में निवेश की क्या होगी सही रणनीति

- इस हाई रिटर्न-हाई रिस्क कैटेगरी में लगा रहे पैसा
- स्मॉल कैप को हाई रिस्क इनवेस्टमेंट माना जाता है
- जोखिम के बावजूद मोटा मुनाफा भी दे जाते हैं ये फंड
- निवेशक चाह कर भी नहीं करते नजरअंदाज
- धैर्य और लंबे समय के लिए निवेश से बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- स्मॉल कैप में निवेश के लिए सही रणनीति अपनाएं
- रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप फंड में बढ़िया पैसा देने की क्षमता है। इसलिए ये फंड हाई रिस्क के बावजूद निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। निवेशक इन फंडों में निवेश कर लगातार मालामाल हो रहे हैं। बाजार आधारित निवेश से मोटी कमाई करनी हो, तो ऊंचा रिटर्न देने वाले स्मॉल कैप शेयर या स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का जिक्र आ ही जाता है, लेकिन स्मॉल कैप के साथ हाई रिटर्न के साथ ही साथ हाई रिस्क भी जुड़ जाता है। यानी स्मॉल कैप शेयर या उनमें पैसे डालने वाले स्मॉल कैप फंड्स, निवेश पर मोटा मुनाफा तो दे सकते हैं, लेकिन उनके साथ ज्यादा जोखिम भी जुड़ा होता है। यही वजह है कि आमतौर पर छोटे निवेशकों को स्मॉल कैप से दूरी बनाए रखने या उनमें एक्सपोजर बेहद सीमित रखने की सलाह दी जाती है।

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब है अपने पैसों को ऐसी छोटी कंपनियों में लगाना, जिनमें आगे चलकर बेहतर रिटर्न देने की क्षमता हो। ये कंपनियां, आकार में छोटी होने के बावजूद, तेजी से बढ़ने की क्षमता रखती हैं। यही बात मुख्य रूप से स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड्स के बारे में भी कही जा सकती है। हालांकि स्मॉल कैप में निवेश के साथ एक बड़ा जोखिम भी जुड़ा रहता है, क्योंकि स्मॉल कैप इनवेस्टमेंट काफी अस्थिर माने जाते हैं। यही वजह है कि सिर्फ उन्हीं लोगों को इनमें निवेश की सलाह दी जाती है, जो बाजार में आने वाले भारी उतार-चढ़ाव को हैंडल कर सकते हैं।

असाधारण रिटर्न संभव

असाधारण रिटर्न मिलने की संभावना स्मॉल कैप में निवेश का मुख्य आकर्षण है। उन छोटी कंपनियों में निवेश करना जबरदस्त ढंग से फायदेमंद साबित हो सकता है, जिनके बिजनेस में आगे चलकर नई ऊंचाइयां छूने की संभावना हो। हालांकि इस दौरान उनमें काफी उतार-चढ़ाव भी आ सकते हैं, जिसे झेलना सबके लिए संभव नहीं हो सकता है, लेकिन जो लोग इसे बर्दाश्त करने की क्षमता रखते हैं, वे अच्छा-खासा मुनाफा हासिल कर सकते हैं।

स्मॉल कैप में सफल निवेश की रणनीति

बाजार में निवेश से जुड़ा एक सच यह भी है कि जिन निवेशकों को मार्केट में पैसे लगाकर मोटा मुनाफा कमाना है या मल्टीबैगर की तलाश है, वे स्मॉल कैप को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर सकते। स्मॉल कैप में निवेश करने वाले अगर सही रणनीति पर अमल करें तो रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। स्मॉल कैप में निवेश की स्ट्रैटजी को सफल बनाने के लिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान दें
रिस्क को कम करने के लिए अपने पैसों को कई स्मॉल कैप फंडों में बांटकर निवेश करें।

नियमित रूप से निवेश करें
बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के बीच कॉस्ट एवरेजिंग करने के लिए सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (**SIP**) के माध्यम से नियमित निवेश करें।

लॉन्ग टर्म नजरिये से निवेश
बाजार की अस्थिरता का मुकाबला करना है, तो आपको अपना इनवेस्टमेंट होराइजन 7 से 10 साल तक रखना चाहिए।

रिसर्च पर ध्यान दें
स्मॉल कैप में निवेश से मुनाफा कमाना है और मल्टी-बैगर स्टॉक्स की पहचान करनी है, तो आपको रिसर्च पर मेहनत करनी पड़ेगी। तभी आप सही समय पर ऐसी कंपनियों की पहचान कर पाएंगे, जो आगे चलकर मोटा मुनाफा देने की संभावना रखती हैं।

धैर्य बनाए रखें
लंबी अवधि में स्मॉल कैप में निवेश के जरिये मुनाफा कमाना है, तो बाजार में आने वाले शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव के बीच धैर्य बनाए रखना जरूरी है। तभी आप निवेश के सही मौकों का लाभ उठा पाएंगे।

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का सेलेक्शन
स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में निवेश करना, भविष्य में बड़ा मुनाफा देने की संभावना रखने वाली छोटी कंपनियों में निवेश करने का एक सुरक्षित और अधिक व्यावहारिक तरीका हो सकता है। फंड मैनेजरों के पास अच्छे स्मॉल कैप स्टॉक चुनने और खराब या संदेहजनक मैनेजमेंट वाले स्टॉक से दूर रहने के लिए जरूरी विशेषज्ञता होती है। सही फंड चुनने के लिए फुल मार्केट साइकल के दौरान उसके प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और फंड मैनेजर के अनुभव और रणनीति पर विचार करना भी जरूरी है।

फंड के साइज और लिक्विडिटी का महत्व
स्मॉल कैप फंड जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं, फंड मैनेजरों के लिए अपने प्रदर्शन को बनाए रखना अधिक चुनौती भरा काम हो जाता है। कैपिटल का फ्लो बहुत बड़ा हो, तो फंड मैनेजर के लिए स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों की कीमतों पर असर डाले बिना उन्हें खरीदना और बेचना बेहद मुश्किल हो सकता है। इसलिए छोटे या मंझोले आकार के फंड में निवेश करने से ग्रोथ के बेहतर मौके मिल सकते हैं।

निवेश में सोना सबसे 'खरा' लोगों को बना रहा 'धनवान'

छह महीने में 8,400 रुपये तक महंगा हो गया गोल्ड, सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी दर्ज की गई है, चीन में मांग बढ़ने, दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के जमकर खरीदारी की, फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना से भी कीमत बढ़ी

जानकारी
विनोद कौशिक

कहा जाता है कि सोना सबसे सुरक्षित निवेश है। चाहे इसे आप किसी भी रूप में खरीदें। यह आपको कभी निराश नहीं करेगा। अक्सर निवेशकों खासकर महिलाओं के लिए तो यह और भी खास है। निवेश के मामले में सोना लगातार बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है। पिछले छह महीने में तो सोने ने सबसे ज्यदा रिटर्न दिया है। इसके दाम 8,400 रुपये तक बढ़ गए हैं। इसलिए तो कहा जा रहा है कि सोना निवेश के मामले में सबसे 'खरा' उतरा है। इसका कोई तोड़ नहीं है। वहीं जानकारों का कहना है कि इस साल सोने के दाम 77000 से 80000 रुपये प्रति दस ग्राम तक जाने की संभावना है। ऐसे में यह निवेश के लिए बेहतर विकल्प है। सोने ने कभी निवेशकों को धोखा नहीं दिया है। इसलिए आप भी इस पीली धातू में निवेश कर मोटा मुनाफा कमा सकते हैं।

सोने का निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन

साल की पहली छमाही खत्म हो चुकी है। इस दौरान सोने ने निफ्टी से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। सोने ने साल की पहली छमाही में 13.37% रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी में इस दौरान 10.5% तेजी आई है। रुपये के लिहाज से देखें तो इस दौरान एमसीएक्स गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट में करीब 8,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर देखें तो इस दौरान सेंसेक्स में 2,279 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई का सोना वायदा 74,777 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था और अब यह 71,800 करोड़ रुपये के आसपास मंडरा रहा है। मध्य पूर्व में तनाव, चीन में सोने की मांग में तेजी और फेड ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण सोने की कीमत में तेजी देखने को मिली।

सोने ने छह महीने में दिया 13.37% रिटर्न

पांच साल से बेहतर रिटर्न

पिछले पांच सालों में सोने और निफ्टी के पहली छमाही के प्रदर्शन को देखें तो गोल्ड ने काफी बेहतर रिटर्न दिया।

सोने का रिटर्न: साल 2019 और 2023 के बीच, सोने का रिटर्न चार मौकों पर सकारात्मक रहा है, जिसमें 2020 में सबसे ज्यादा (13.71%) और 2022 में सबसे कम (0.59%) रहा। 2021 में इसने 3.63% का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

निफ्टी का रिटर्न : वहीं, इसके विपरीत, निफ्टी ने तीन मौकों (2019, 2021 और 2023) में सकारात्मक रिटर्न दिया है। इस दौरान 2021 की पहली छमाही में इसने 12% से अधिक रिटर्न दिया जो 2019 और 2023 के बीच 5 साल की अवधि में सबसे अधिक है। 2020 में, मार्च में कोविड 19 लॉकडाउन के कारण निफ्टी के स्तर में 15% की गिरावट देखी गई। 2022 की पहली छमाही में निफ्टी में 9% की गिरावट आई।

कहां तक जाएगी कीमत

सोने के प्रदर्शन के बारे में स्वर्ण बाजार के जानकारों का कहना है कि फरवरी और अप्रैल के बीच 18% की तेजी के साथ रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोना 71,000-72,000 रुपये के आसपास मजबूत हो रहा है। उक्त अवधि में इसमें 12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। जानकारों ने कीमतों में स्थिरता के लिए पर्याप्त ट्रिगर्स की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। कमजोर बुनियादी बातों और तकनीकी कारणों से अगले 1-2 महीनों में सोना 70,000 रुपये तक पहुंच सकता है। मध्यम से लंबी अवधि का नजरिया अभी भी सकारात्मक है और 2024 की आखिरी तिमाही में पीली धातु नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच सकती है। साल के अंत तक यि 75,000 रुपये से 77,000 या 80000 रुपये प्रति 10 ग्राम के लक्ष्य को हासिल कर सकता है। हालांकि अगले एक दो महीने में यह 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास रहने की उम्मीद है। इस दौरान निवेश इसे खरीदेंगे जो इसमें अच्छा मुनाफा मिलने के पूरे चांस है।

सोने में निवेश के विकल्प

गोल्ड ईटीएफ

आप शेयरों की तरह भी सोने को खरीद सकते हैं। इस सुविधा को ही गोल्ड ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड होते हैं। इन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। आप इसे गोल्ड की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट गोल्ड की कीमतें हैं। हालांकि आपके पास ट्रेडिंग डीमैट अकाउंट होना जरूरी है।

फिजिकल गोल्ड

आप फिजिकल गोल्ड भी खरीद सकते हैं। फिजिकल गोल्ड जैसे सोने के बिस्किट-सिक्के या ज्वैलरी खरीदना है। हालांकि एक्सपर्ट ज्वैलरी खरीदने को गोल्ड में निवेश का अच्छा विकल्प नहीं मानते हैं। इसकी वजह है कि इसपर आपको मेकिंग चार्ज और जीएसटी देना पड़ता है।

पेमेंट ऐप से करें निवेश यानी डिजिटल गोल्ड

अब आप बेहद आसानी से अपने स्मार्टफोन से भी सोने में निवेश कर सकते हैं। आपको इसके लिए ज्यादा रुपये खर्च करने की भी जरूरत नहीं है। आप अपनी सुविधा के हिसाब से जब चाहें गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। गूगल पे, पेटीएम, फोनपे और अमेजन पे जैसे कई प्लेटफार्म उपलब्ध हैं। डिजिटल गोल्ड खरीदने के कई फायदे हैं।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सोने में निवेश का एक विकल्प सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे सरकार समय-समय पर जारी करती है। इसका मूल्य रुपये या डॉलर में नहीं होता है, बल्कि सोने के वजन में होता है। अगर बॉन्ड एक ग्राम सोने का है, तो एक ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50% का निश्चित ब्याज मिलता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश के लिए भी डीमैट अकाउंट जरूरी होता है।

बाढ़ में कार डैमेज हो जाए तो क्या मिलता है इंश्योरेंस कवर

अगर आपकी कार बाढ़ में डैमेज हो जाए तो इंश्योरेंस कंपनी को उनके कस्टमर हेल्प नंबर पर संपर्क करके या उनकी वेबसाइट पर जाकर डैमेज कार की जानकारी दें। फिर कंपनी डैमेज का आकलन कर आगे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाती हैं।

बीमा की बात
बिजनेस डेस्क

देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून आ चुका है। कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। ऐसे में आप बाढ़ में कार के बहने और डूबने की खबरें देखते हैं। हाल ही में हरिद्वार में एक सूखी नदी में बाढ़ के कारण कई कारें बह गई थी, पहाड़ी इलाकों में कई जगह भूस्खलन के कारण कारों को नुकसान पहुंचा है। लेकिन क्या आपने यह सोचा है कि जब ये कारें बाढ़ में बहकर डैमेज हो जाती हैं तो क्या इस स्थिति में कार इंश्योरेंस कवर मिलता है? जानकारों का कहना है कि बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज आपके द्वारा चुनी गई कार बीमा पॉलिसी के प्रकार पर निर्भर करता है। अगर आपने व्यापक कार पॉलिसी चुनी है, तो आप बाढ़ से होने वाले नुकसान या अपने वाहन को होने वाले नुकसान से सुरक्षित रहेंगे। आइए इस रिपोर्ट में हम उन बातों पर चर्चा करते हैं जो आपको अपनी कार के लिए बाढ़ बीमा, व्यापक कार बीमा लाभों और बाढ़ के नुकसान की स्थिति में कार बीमा दावा दायर करने के तरीके के बारे में जानने की जरूरत है।

बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज की सीमा आपकी पॉलिसी के विशिष्ट विवरण के आधार पर अलग-अलग हो सकती है, इसलिए विस्तृत जानकारी के लिए पॉलिसी दस्तावेजों की समीक्षा करना या अपने बीमा प्रदाता से परामर्श करना महत्वपूर्ण है। बाढ़ से होने वाले नुकसान को समझना बेहद जरूरी है। बारिश से होने वाले नुकसान की गंभीरता तभी स्पष्ट होती है जब आप अपने वाहन को मैकेनिक के पास ले जाते हैं। जब वे मरम्मत की लिस्ट देते हैं, तो परिणामस्वरूप वित्तीय भार भारी हो सकता है।

बाढ़ से कार को होने वाले नुकसान

इंजन डैमेज
जब पानी कार के इंजन में चला जाता है, तो इससे कार के आंतरिक हिस्सों को आंशिक या संपूर्ण क्षति हो सकती है। इससे आपकी कार बेकार हो सकती है।

गियरबॉक्स डैमेज
जब पानी गियरबॉक्स में प्रवेश करता है, तो यह उपकरण को खराब कर सकता है या पूरी तरह से बेकार बना सकता है। यह आपकी परेशानी बढ़ाने वाला हो सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक फ्रंक्शन
जब बाढ़ के दौरान पानी कार में घुस जाता है, तो इससे इलेक्ट्रॉनिक्स में शॉर्ट सर्किट हो सकता है और डैशबोर्ड अलर्ट लाइट की संभावित विफलता हो सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस को पानी बहुत जल्दी और भारी नुकसान पहुंचाता है।

इंटीरियर को नुकसान
पानी के आक्रमण के परिणामस्वरूप इंटीरियर बर्बाद हो सकता है। इसमें कार्पेट, सीटें और दूसरे नरम सामान शामिल हैं। इससे आपकी गाड़ी पूरी रूह बिगड़ सकती है। अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए।

कौन सी कार पॉलिसी बेहतर

व्यापक कार बीमा बाढ़ से संबंधित कवरेज प्रदान करता है। भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं कभी भी हो सकती हैं और उनकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है। इसलिए, अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए। इससे आपको आसानी से डैमेज कार का इंश्योरेंस मिल सकेगा।

कवरेज के निम्न तरीके

इंजन सुरक्षा कवरेज
कार का इंजन बाढ़ के पानी के घुसने से क्षतिग्रस्त हो जाता है। व्यापक बीमा इंजन क्षति को कवर नहीं करता है। हालांकि, यह इंजन की मरम्मत या रिप्लेसमेंट के लिए वित्तीय कवरेज प्रदान करता है। इसलिए बीमा करवाते समय यह ध्यान रखने की बातें हैं।

शून्य मूल्यह्रास कवरेज
कार के पुर्जे समय के साथ घिसाव और टूट-फूट के कारण स्वाभाविक रूप से खराब हो जाते हैं, जिससे वाहन के मूल्य में कमी आती है, जिसे मूल्यह्रास कहा जाता है। क्लेम करते समय, मानक बीमा क्षतिग्रस्त पुर्जों के मूल्यह्रास मूल्य को कवर करता है। हालांकि, शून्य मूल्यह्रास कवरेज के साथ, बीमा मूल्यह्रास को ध्यान में रखे बिना मरम्मत के लिए पूरी राशि का भुगतान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि कार की मरम्मत की कुल लागत को कवर किया जाए।

चाबी बदलने का कवर
आधुनिक कार की चाबियां ठीक करना या बदलना जटिल और महंगा है। अगर बाढ़ के चलते आपकी कार की चाबी या लॉकसेट डैमेज हो जाता है, तो यह कवरेज लॉकसेट को बदलने या मरम्मत करने की लागत को कवर करेगा।

उपभोज्य कवर
बेस प्लान लुब्रिकेंट, गियरबॉक्स और इंजन ऑयल, नट और बोल्ट, ग्रीस इत्यादि जैसी उपभोग्य वस्तुओं को बदलने के खर्च को कवर नहीं करता है। हालांकि, इस ऐड-ऑन के साथ, आप किसी दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा, जैसे बाढ़ के बाद होने वाले उपभोग्य खर्चों के लिए कवर किए जाते हैं।

खबर संक्षेप

जिला में चार स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। जिला में अलग-अलग स्थानों से चोर चार मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में पहले मामले में गली अरोड़ा वाली निवासी डॉ. रूलिया सिंह ने बताया कि उसने अपने घर के बाहर गली में मोटरसाइकिल खड़ा किया था। कुछ देर बाद संभाला तो बाइक गायब मिला। दूसरे मामले में गांधी कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि 16 जून की शाम को डबवाली रोड पर मोटरसाइकिल खड़ा किया था। वापस लौटा तो बाइक नहीं मिली।

मकान में सेंध लगाकर नकदी व आभूषण चुराए

सिरसा। शहर के प्रेम नगर गली सैनी धर्मशाला वाली में एक मकान से चोर 20 हजार रुपए की नकदी सहित लाखों रुपए के आभूषण चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में विशाल सेठी ने बताया कि 5 जुलाई की रात को परिवार के लोग खाना खाकर सो गए। देर रात को चोरों ने मकान में घुसकर अलमारी के ताले तोड़कर 20 हजार रुपए की नकदी, 6 से 7 तोले सोने के आभूषण, 4 जोड़ी चांदी की पाजेब चोरी कर ले गए।

स्वामी अचलानंद गिरि की स्मृति में लगाया भंडारा

सिरसा। स्वामी अचलानंद गिरि महाराज की स्मृति में सिरसा रेलवे स्टेशन पर जरूरतमंदों व यात्रियों के लिए भंडारा लगाया गया। श्रद्धालु सुमन मित्तल ने बताया कि भंडारे का आयोजन स्वामी जी के श्रद्धालुओं द्वारा आपसी सहयोग से किया गया। उन्होंने कहा कि अमावस्या पर दान पुण्य का महत्व बहुत अधिक होता है। भंडारे से पहले स्वामी जी के जयकारे के साथ सभी के कल्याण के लिए प्रार्थना की गई।

कक्कड़ बने भारतीय व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष

सिरसा। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय चैयरमेन बाल किशन अग्रवाल ने सिरसा के राम नारायण कक्कड़ को सिरसा जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल हरियाणा प्रदेश के उपाध्यक्ष गंगाराम गुप्ता ने बताया कि चेयरमैन बाल किशन द्वारा लगातार भारतीय उद्योग व्यापार मंडल में नियुक्तियां की जा रही हैं ताकि व्यापारियों को सरकारी योजनाओं का त्वरित लाभ मिले सके और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके।

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी काबू

हांसी। पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद के दिशा निर्देश अनुसार अपराधों पर लगाम लगाते हुए साइबर क्राइम थाना हांसी पुलिस ने वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर 5 लाख 49 हजार रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान मध्यप्रदेश देवास निवासी आकाश सोलंकी के रूप में हुई। जांच अधिकारी साइबर क्राइम थाना हांसी में तैनात मुख्य सिपाही मुकेश कुमार ने बताया कि आरोपी ने सुल्तानपुर निवासी मुकेश कुमार को 18 मार्च को इंस्टाग्राम पर वर्क फ्रॉम होम का लिंक भेज अधिक मुनाफे का लालच देकर पहले उसे वर्क फ्रॉम होम के लिए ज्वाइन करवाया और उसके बाद उससे ऑनलाइन खाते में रुपये जमा कराए।

जिले के 12 मंडलों पर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने लगाए पौधे

भूना रोड पर पौधरोपण कर लोगों को प्रेरित किया, सभी कार्यकर्ताओं ने डा. श्यामा प्रसाद को याद करते हुए भावांजलि दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर जिलेभर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण अभियान चलाया गया। जिले के सभी 12 मंडलों पर मंडल अध्यक्षों सहित सभी कार्यकर्ताओं ने हजारों पौधे लगाए तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसी कड़ी में बीजेपी के जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा ने भी अपनी टीम के साथ भूना रोड पर विभिन्न पौधे लगाकर लोगों को भी अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। इससे पूर्व सभी कार्यकर्ताओं ने डा. श्यामा प्रसाद को याद करते हुए उन्हें भावाजंलि दी। पौधरोपण करते हुए जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा ने कहा कि आज पर्यावरण में संतुलन बहुत जरूरी हो गया है। अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाकर ही पर्यावरण को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पेड़ पौधे ही वर्षा लाने के कारक होते हैं। आज पेड़ पौधों की कमी के कारण जीव जन्तुओं में भी असंतुलन आ रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग हर साल बढ़ रही है, जिस कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं और मानव बस्ती में सूखा और बाढ़ जैसे समस्याएं इसी कारण आ रही है। इससे प्रेरणा लेकर संस्थाओं व आमजन को भी आगे आकर पेड़ पौधे लगाने चाहिए। इस अवसर पर जिला महामंत्री अशोक जाखड़, महेश शर्मा, इन्द्र गावड़ी, जगदीश शर्मा, सुभाष चंदौरा, बनवारी लाल गहलोत सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फतेहाबाद। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर पौधारोपण करते भाजपा नेता। फोटो : हरिभूमि

रतिया। पौधारोपण करते पंजाबी सभा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

पंजाबी सभा अध्यक्ष के जन्मदिन पर त्रिवेणी लगाकर किया शुभारंभ

रतिया। पंजाबी सभा रतिया द्वारा अध्यक्ष सतीश हांडा के जन्मदिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पंजाबी सभा के अध्यक्ष सतीश हांडा ने मॉडल टाउन के पार्क में त्रिवेणी लगाकर पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सभा प्रधान सतीश हांडा ने कहा कि जिस तरह से वातावरण में परिवर्तन हो रहा है तथा ऑक्सीजन कम होती जा रही है जो भविष्य में मानव जाति के लिए खतरा पैदा हो सकता है इसलिए इस खतरे को कम से कम करने को लिए पौधे लगाना जरूरी है। इसको लेकर सभा के सदस्यों से विचार विमर्श के बाद अपने जन्मदिन पर पौधारोपण जैसा पवित्र कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सैंकड़ो पौधे लगाने की बजाय उतने ही पौधे लगाओ जितने पौधों की देखभाल कर सको और मैं विश्वास दिलाता हूं कि मॉडल टाउन के इस पार्क में जितने भी पौधे लगाए हैं वह अपने परिवार सहित उन पौधों की देखभाल करेंगे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे महासचिव विज्ञान सागर बाघला ने कहा कि आज के आधुनिक समाज में अपने जन्मदिन पर पौधारोपण जैसा महान कार्य करके अध्यक्ष सतीश हांडा ने समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है। इस अवसर पर संयोजक डॉ. हंसराज मेहता, सचिव कृष्ण तनेजा, उप प्रधान हरबंस खन्ना, पूर्व सरपंच राम तनेजा, सतीश सरदाना, संजय मक्कड़ कोषाध्यक्ष, विद्यासागर बाघला, राजकुमार मालिक नंबरदार, हरबंस मेहता, दिनेश तनेजा, सतीश मेहता, विक्की मेहता, मेहरचंद मेहता, सुभाष हांडा, संदीप ग्रोवर, दिनेश गर्ग, ओमप्रकाश हांडा, राजू पाहुजा, राजू कालड़ा, युवा अध्यक्ष विपिन चावला सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

सिरसा। लिपिकीय कर्मचारी बैठक करते हुए।

लिपिकीय कर्मचारी कल करेंगे मुख्यमंत्री आवास का घेराव

- लिपिक/आशुलिपिक का वेतनमान 35,400 करने की मांग की
- मांगें न माने जाने पर कर्मचारी आगामी आंदोलन की घोषणा करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

क्लेरिकल एसोसिएशन वेल्फेयर सोसायटी अपनी मांगों के लिए एकजुट होकर प्रदेश स्तरीय विरोध प्रदर्शन और मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेगी। सोसायटी की ओर से कहा गया है कि सरकार को लिपिक/आशुलिपिक का वेतनमान 35, 400 किया जाए, जो कि एक जायज मांग है। एसोसिएशन के राज्य प्रधान बलजीत जून ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर लिपिकों की तर्कसंगत और जायज मांग को उठाया था तथा बैठक के लिए समय देने का अनुरोध किया था, ताकि विस्तृत रूप से सभी मांगों पर चर्चा की जा सके, परंतु सरकार ने अभी तक हमारी मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है और 21,700 का जो वेतनमान सरकार ने लिपिकों पर थोंपा है, वो महज छलावा है। राज्य महासचिव सतीश कुमार ढाका ने कहा कि 15 अगस्त 2024 को तत्कालीन मुख्यमंत्री के साथ हुए समझौते अनुसार 42 दिन की हड़ताल के समय में से 35 दिन के समय को कार्य दिवस न मानकर भी वादाखिलाफी करने का काम किया है, जिससे सभी विभागों, बोर्डों, नगर निकायों और विश्वविद्यालयों के लिपिकीय कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। इसलिए सभी जिलों के कर्मचारी 7 जुलाई 2024 को करनाल पहुंचकर सरकार की वादाखिलाफी और मांगों की अनदेखी का विरोध प्रदर्शन करेंगे। उसके बाद मुख्यमंत्री आवास घेराव किया जाएगा। मांगें न माने जाने पर वहीं से हरियाणा प्रदेश से आए लिपिकीय कर्मचारी आगामी आंदोलन की घोषणा करेंगे, जिसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। जिला प्रधान साहिल बागड़ी ने बताया कि सिरसा जिला से सभी विभागों के कैलेरिकल केडर के सभी साथी करनाल में होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। इसके लिए जिला के सभी खंडों, विभागों के साथियों को जिला सिरसा टीम दोबारा विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का निमंत्रण व जाने की व्यवस्था कर ली गई है।

रानियां हलके में 8 जुलाई से होगा प्रगति यात्रा का शुभारंभः टीशु प्रधान

- डोर-टू-डोर जाकर कुमारी शैलजा की जीत के लिए धन्यवाद करेंगे
- प्रत्येक जोन के अंदर यह यात्रा 18 से 20 गांव कवर करेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

8 जुलाई से रानियां हलके से प्रगति यात्रा की शुरुआत की जाएगी। यह प्रगति यात्रा हलके के गांव-गांव में जाएगी और प्रत्येक गांव में वे डोर-टू-डोर जाकर लोगों का लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी कुमारी शैलजा की जीत के लिए धन्यवाद करेंगे और आगामी वि धा न स भा चुनाव के लिए लोगों से समर्थन की मांग करेंगे। यह जा न का री कांग्रेस नेता टीशु प्रधान ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। उन्होंने कहा कि रानियां हलके में बदलाव की बयार बह रही है। लोकसभा की तर्ज पर आगामी विधानसभा चुनाव में भी रानियां हलके से कांग्रेस भारी बहुमत से जीतेगी। रानियां हलके की जनता कांग्रेस की मजबूती के साथ-साथ कुमारी सैलजा को मुख्यमंत्री के रूप में देख रही है। प्रगति यात्रा के संबंध में टीशु प्रधान ने बताया कि यात्रा का रोडमैप तैयार हो चुका है। 8 जुलाई को गांव बणी से सुबह 7 बजे यात्रा की शुरुआत होगी। प्रगति यात्रा को लेकर रानियां हलके को बणी, खारियां, रानियां, जीवननगर व भंबूर सहित 5 जोन में बांटा गया है। प्रत्येक जोन के अंदर यह यात्रा 18 से 20 गांव कवर करेगी। यात्रा के दौरान रात्रि ठहराव गांव के अंदर ही किया जाएगा।

सिरसा पत्रकारों से बात करते हुए टीशू प्रधान

पौधों के बिना जीवन की कल्पना नहीं: मुकेश

चोपटा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अली मोहम्मद में इको क्लब के तत्वावधान में समर कैंप में विद्यालय में पौधे लगाए गए और बच्चों को पौधे वितरित करके अपने घर में एक-एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य मुकेश कुमार ने कहा कि पेड़-पौधों के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। पेड़-पौधे न केवल हमें छाया देते हैं, बल्कि अनेक प्रकार की औषधिय जड़ी-बूटियां भी देते हैं, जिनसे असाध्य रोगों को जड़ से खत्म किया जा सकता है। प्राचार्य ने कहा कि कोरोना काल के दौरान सभी ने ऑक्सीजन के कारण पैदा हुए हालातों को बड़ी नजदीकी से देखा और महसूस किया।

युवा शक्ति टीम ने लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

श्री अरोड़वंश महासभा की युवा शक्ति टीम द्वारा शहर के सिटी थाने में एसएचओ जय सिंह एवं उनकी टीम के सहयोग से पौधरोपण किया गया। इस मौके पर अरोड़वंश महासभा के अध्यक्ष अशोक ग्रोवर के नेतृत्व में युवा शक्ति टीम ने फलदार, छायादार एवं फलदार पौधे लगाए। पौधरोपण की सराहना करते हुए एसएचओ जय सिंह ने कहा कि श्री अरोड़वंश महासभा द्वारा चलाया गया पौधरोपण अभियान पर्यावरण के लिए सकारात्मक प्रयास है और समाज को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए ताकि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिले। युवा शक्ति टीम के कोआर्डिनेटर हैप्पी सिंह सेठी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर महासभा द्वारा ग्रीन रतिया अभियान के तहत पौधारोपण किया जा रहा और सदस्यों के सहयोग से आगे भी जारी रहेगा।

रतिया। सिटी थाने परिसर में पौधारोपण करते अरोडवंश महासभा सदस्य व पुलिस कर्मचारी।

बाबा बिहारी नेत्रालय में करवाया हवन यज्ञ

- प्रबंध समिति सदस्यों ने हवन में आहुतियां देकर आशीर्वाद लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

बाबा बिहारी नेत्रालय में शनिवार को हवन का आयोजन किया गया। बाबा बिहारी नेत्रालय सोसायटी के अध्यक्ष प्रवीण बागला के साथ सभी पदाधिकारियों, सहयोगियों व प्रबंध समिति सदस्यों ने हवन में आहुतियां देकर नेत्रालय द्वारा शुरू की जा रही नेत्र सेवा योजना को बाबा बिहारी के आशीर्वाद से निरंतरता प्रदान करने की कामना की। सोसायटी के सचिव चंद्रशेखर ने बताया कि नेत्रालय के उद्घाटन अवसर पर निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया जाएगा जिसमें आंखों की संपूर्ण जांच, दवाएं व चश्मे आदि पूरी तरह निःशुल्क दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कैंप में आने वाले लोगों के लिए आवश्यकता अनुसार आंखों के आप्रेशन भी फ्री होंगे। प्रवीण बागला ने बताया कि उद्घाटन अवसर पर अनेक गणमान्य लोग शामिल होंगे, जिनके सहयोग एवं मार्गदर्शन से नेत्रालय का विकास निरंतर होता रहेगा। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सुनील चाचाण, विकास गर्ग, प्रबंधक रंजीव कुमार, गुरमुख कोचर, विक्रांत गुप्ता, उत्तम सिंह ग्रोवर, आनंद महीपाल आदि उपस्थित थे।

राजेंद्र मोहन बने सर्वसम्मति से जिला प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

हरियाणा स्टेट पेंशनर समाज जिला सिरसा इकाई की एक बैठक शनिवार रिटायर्ड प्रिंसिपल बलदेव सिंहकी अध्यक्षता में हुई जिसका उद्देश्य नई कार्यकारिणी का गठन करना था। कोषाध्यक्ष राजकुमार खुंगर ने बताया कि सर्वप्रथम वर्ष 2022-24 का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया गया और सभा द्वारा किए गए कायार्ें के बारे में बताया गया। सभा में सर्वसम्मति से राजेंद्र मोहन गुप्ता को जिला प्रधान, संरक्षक रिटायर्ड प्रिंसिपल बलदेव सिंह, चेयरमैन गुरदीप सिंह सैनी, महासचिव अजीत सिंह रंगा, कृष्ण सिवाच को उपप्रधान, राजकुमार खुंगर को कैशियर, रामेश्वरदास व मदन नारंग सहसचिव के रूप में नियुक्त किया गया। नवनियुक्त कार्यकारिणी पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। चेयरमैन गुरदीप सिंह सैनी ने मांगों बारे बताया कि पेंशनधारकों को 65 वर्ष, 70 वर्ष, 75 वर्ष व 80 वर्ष होने पर पेंशन में 5 प्रतिशत अतिरिक्त वृद्धि की जाए और मेडिकल भता 1000 से बढ़ाकर 3 हजार रुपए किया जाए। सेवानिवृत्ति वाले वर्ष 6 महीने पूरे होने पर एक इंक्रीमेंट का लाभ दिया जाए। ग्रेजुएटी केंद्र सरकार की तर्ज पर 20 से 25 लाख की जाए। इन मांगों को लेकर एक शिष्टमंडल जल्द मुख्यमंत्री हरियाणा से मिलेगा। इस मौके पर रा'य उपप्रधान रमेश पुरी, गुरमीत सिंह, रघुबीर चंद, सुरेश कुमार, गुरजंट सिंह, लाभ सिंह, छटीराज, प्रीतपाल सिंह, सुभाष चंद्र सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सिरसा। हरियाणा स्टेट पेंशनर समाज की नई कार्यकारिणी।

कार सवार युवकों से 200 ग्राम हेरोइन काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस ने गश्त के दौरान गांव खैरेकां क्षेत्र से कार सवार युवक को लाखों रुपये की 200 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी अजय कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव खैरेकां क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान सामने से एक गाड़ी आती दिखाई दी। गाड़ी सवार युवक ने सामने पुलिस पार्टी को देखकर अचानक गाड़ी को वापस मोड़कर मौका भागने का प्रयास किया। शक के आधार पर पुलिस पार्टी ने उक्त गाड़ी सवार युवक को काबू कर जब नियमानुसार उसकी तलाशी ली तो युवक के कब्जे से लाखों रुपए की 200 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

सिरसा। हेरोइन के साथ पकड़ा गया आरोपी पुलिस की गिरफ्त में।

मुख्यमंत्री के नाम भाजपा नेता चोपड़ा को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

- एक्सटेंशन फीस रद करवाने की मांग

शहर के ए, बी, सी, डी, ई ब्लॉक एवं कमर्शियल कांप्लेक्स का एक्सटेंशन फीस रद करने को लेकर आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान मनोहर मेहता और धर्मपाल मेहता के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सलाहकार जगदीश चोपड़ा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से आग्रह किया गया है कि शीघ्र अति शीघ्र नाजायज एक्सटेंशन फीस को रद किया जाए। मुख्यमंत्री के नाम जगदीश चोपड़ा को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि पंजाब न्यू मंडी टाऊनशिप के अंतर्गत हरियाणा में रिहायशी सेक्टर ए, बी, सी, डी व ई ब्लॉक के नाम से व कर्मिशियल सेक्टर सी-1, सी-2 व सी-3 तथा अराउंड एडीशनल मंडी तथा अन्य कर्मिशियल एरिया सिरसा में विकसित किए गए थे। अलॉटियों को खुली बोली पर बेचे गए थे। अलॉटियों द्वारा वर्ष 1966 से पहले ही उक्त प्लाटों पर निर्माण शुरु कर दिए थे व रिहायश करनी शुरु कर दी थी। वर्ष 1987 में हरियाणा सरकार द्वारा उक्त मंडी टाउनशिप एरिया के रिहायशी सेक्टर ए से ई व कर्मिशियल सेक्टर तथा अराउंड एडीशनल मंडी हुडा जोकि अब एचएसवीपी के नाम से जाना जाता है व अन्य कर्मिशियल एरिया जैसे कि न्यू अनाजमंडी, एडीशनल मंडी मार्किट कमेटी को ट्रांसफर कर दिए थे। जैसे ही 1987 में यह एरिया हुडा को ट्रांसफर किया गया तो हुडा के सभी एक्ट इस एरिया पर लागू कर दिए गए जिसके अंतर्गत एक्सटेंशन फीस भी लागू कर दी गई। उस समय न तो कोई सर्वे हुआ जो मकान व दुकान का निर्माण हुआ था उन पर भी एक्सटेंशन फीस लगा दी गई। ज्ञापन में कहा गया है कि सभी अलॉटियों के प्रति अब एक्सटेंशन फीस लाखों रुपयों में बकाया दिखाई जा रही है जिससे आमजन परेशान हैं। इस मौके पर मुकेश ढींगरा, विजय कोचर, कृष्ण मेहता, सुधीर ललित, मनोहर मेहता मंडी प्रधान, धर्मपाल मेहता, कीर्ति गर्ग, महावीर शर्मा, गुरजीत सिंह मान मौजूद थे।

तेल के अभाव में जनरेटर बना सफेद हाथी

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर करोड़ों खर्च, सुविधाओं का टोटा

- 4 एकड़ भूमि में लगभग 3 करोड़ 60 लाख लागत से बनाया स्वास्थ्य केन्द्र
- 12 गांवों के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

राजस्थान से सटे क्षेत्र के गांवों के लिए कागदाना में सरकार ने 4 एकड़ भूमि में लगभग 3 करोड़ 60 लाख लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का भवन तो बनाया गया। जिसका शुभारंभ मई 2022 को कर किया गया। लेकिन सरकार द्वारा करोड़ों रूपये खर्च करने के बाद स्वास्थ्य केन्द्र में आमजन को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं और कर्मियों का घोर टोटा हैं। केंद्र में 2 डॉक्टर की डयूटी हैं लेकिन वो भी कभी गैर हाजिर तो कभी छूट्टी पर तो कभी चौपटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डयूटी देते हैं। 1 दंत चिकित्सक, 1 फार्मासिस्ट ,1 लैब टेक्निशियन,1 एमपीएचएस (पुरुष) 1 एमपीएचएस (महिला) के पद रिक्त पड़े हैं वही स्वास्थ्य केंद्र में इनवर्टर बैटरी का अभाव होने के साथ जनरेटर की सुविधा का अभाव हैं। यहा आपातकालीन के दौरान भी किसी प्रकार की कोई सुविधा नहीं मिलती। केंद्र के निर्माण के दौरान जनरेटर तो लगाया गया। लेकिन उसमें तेल डालने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। जिससे बिजली की सप्लाई का कट लगने पर मरीजों को गर्मी के मौसम में परेशानी झेलनी पड़ती हैं, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में न दवायें और न स्वास्थ्य कर्मी है। जिसके कारण आसपास के 12 गांवों के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल रही। दवाओं और कर्मियो के अभाव में यहां ओपीडी की संख्या बहुत कम है। सरकार द्वारा केन्द्र बनाया तो क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ी लेकिन लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जाना पड़ा तो लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिर्फ सफेद हाथी बनता नजर आ रहा हैं और मायूसी के साथ बिना इलाज के लिए दूसरे अस्पताल इलाज के लिए भटकना पड़ा।

सिरसा। कागदाना का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लगाया गया जनरेटर।

केन्द्र में दी जाने वाली सेवाएं

डॉक्टर द्वारा मरीजों को देखने की सुविधाएं, आपातकालीन सुविधाएं जैसे दुर्घटना होने पर या कुत्ता/सांप/बिच्छू काटने पर इलाज की सुविधाएं 24 घंटे। 24 घंटे एम्बुलेंस की सुविधा। प्राथमिक उपचार की सुविधा,गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण व गर्भावस्था के दौरान कम से कम 2 बार जांच, टीटी के दो इंजेक्शन, खून की कमी दूर करने के लिए आयरन की गोलियां, 24 घंटे प्रसव की सेवाएं जिसमें सामान्य व चिमटी से प्रसव व अपरा को हाथ से हटाने की सेवाएं शामिल हैं। प्रसव के बाद स्वास्थ्यकर्मी द्वारा गर्भवती स्त्री के घर दो बार निरीक्षण के लिए जाना,डा. जावेद खान ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में इनवर्टर बैटरी नहीं हैं और जनरेटर तो लगा हैं, लेकिन तेल का बजट ना मिलने के कारण जनरेटर नहीं चलाया जाता। स्टाफ की कमी की वजह से सुविधाओं का अभाव हैं।

खबर संक्षेप

चोरियों के विरोध में आज जाखल बंद

जाखल। जाखल में बढ़ रही चोरी की वारदातों को लेकर शहर के यूथ क्लब ने आवाज बुलंद करने के लिए रणनीति तैयार की हैं। शहर में आए दिन चोरी की घटनाएं घटित हो रही है। बीती रात्रि भी चोरों ने शहर में एक दुकान को निशाना बनाया। चोरी की घटनाएं रोकने को लेकर शहर निवासी आम आदमी पार्टी के युवा नेता आदित्य बंसल के नेतृत्व में यूथ क्लब ने विभिन्न व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों से विचार विमर्श कर सामूहिक रूप से रविवार को मार्केट बंद का फैसला लिया है। युवा समाजसेवी आदित्य बंसल ने कहा कि जाखल में बढ़ रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय व्यापारी वर्ग भयभीत है।

न्यायाधीश ने जाना बुजुर्गों का हाल- चाल

फतेहाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने हांसपुर रोड पर स्थित सद्गुरु कृपा अपना घर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ बुजुगार्ें की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने बुजुगार्ें को विभिन्न जरूरतों व समस्याओं को सुनने के उपरांत प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां पर उपस्थित बुजुगार्ें से उनके रहन-सहन, खान पान के बारे में पूछताछ की। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल का स्नेह भरा प्यार देखकर वृद्ध आश्रम में रह रहे बुजुगार्ें ने उन्हें अपना आशीर्वाद दिया।

सीधी बिजाई के पंजीकरण के लिए आवेदन आमंत्रित

फतेहाबाद। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग ने पोर्टल के माध्यम से धान की सीधी बिजाई हेतू पंजीकरण के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिसके लिए 10 जुलाई अंतिम तिथि निर्धारित की है। स्कीम का लाभ पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। उपायुक्त राहुल नरवाल ने बताया कि धान की सीधी बिजाई करने से पानी व ऊर्जा की बचत होती है, साथ ही पर्यावरण प्रदूषण में भी कमी आती है। इसके साथ ही उपायुक्त राहुल नरवाल ने जिला के किसानों से आह्वान किया कि वे भू-जल के गिरते स्तर को ध्यान में रखकर धान की सीधी बिजाई करें। सरकार की ओर से धान की सीधी बिजाई करने वाले किसान को 4 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से अनुदान राशि भी दी जाती है।

दो दुकानों में लाखों रुपये की चोरी, केस दर्ज

जाखल। जाखल में चोर चुस्त और पुलिस सुस्त नजर आ रहीं हैं। बेखौफ चोर आए दिन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। बीती रात्रि फिर अज्ञात चोरो ने दो दुकानों को अपना निशाना बनाया और लाखों रुपए का सामान व नकदी लेकर फुर्र हो गए हैं। चोरी की यह घटना एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गई है। बताया गया है कि चोरों ने बड़ी चतुराई से दोनों दुकानों की छत पर से नीचे आकर दुकान का गेट तोड़कर घटना को अंजाम दिया। पीड़ित दुकानदारों ने मामले की शिकायत पुलिस को देकर चोरों की पहचान कर जल्द पकड़ने की मांग की है। पीड़ित दुकान मालिक अमित कुमार ने बताया कि बस स्टैंड के समीप वो रेडीमेड कपड़ों व जनरल स्टोर की दुकान करता है।

पुलिस ने चलाया सर्च अभियान

जाखल। नशे की रोकथाम को लेकर चलाई जा रही मुहिम के तहत शनिवार को पुलिस ने जाखल व आसपास गांवों में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक शमशेर सिंह के नेतृत्व में अन्य पुलिस अधिकारी व भारी पुलिस बल के साथ कमांडो के जवान मौजूद थे। शनिवार सुबह 5 बजते ही पुलिस ने नशा तस्करों के घरों पर दबिश देकर सघन चेकिंग की। हालांकि इस कार्यवाही के दौरान पुलिस को कहीं से भी नशे से संबंधित कोई वस्तु नहीं मिली। डीएसपी शमशेर सिंह ने बताया कि जिला पुलिस कप्तान के निर्देशानुसार पुलिस की ओर से नशे को रोकने व नशा तस्करों को काबू करने के लिए मुहिम चलाई जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को घर घर तलाशी ली गई।

विकास कार्यों में ढिलाई करने वाले ठेकेदारों को करें ब्लैकलिस्ट

विकास कार्यों में लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा : रणजीत

बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने खुले दरबार सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रानियां

अधिकारी अपने काम के प्रति जवाबदेह बनें। विकास कार्योंर् को निर्धारित अवधि में पूरा किया जाए। विकास कार्योंर् में किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नही किया जाएगा।

काम नहीं करने वाले अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। ये निर्देश बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने शनिवार को रानियां के गाबा रिसोर्ट में आयोजित खुले दरबार मे हल्कावासियो की समस्याओं को सुनने के दौरान उपस्थितजन को संबोधित करते हुए कही। खुले दरबार मे जहाँ अधिकारियों से रानियां हल्का के विकास कार्योंर् की रिपोर्ट तलब की, वहीं लोगों की समस्याओं को सुनते हुए अधिकारियों को जल्द समाधान के निर्देश दिए।

सिरसा। रानियां के गाबा पैलेस में खुला दरबार को संबोधित करते मंत्री रणजीत सिंह। फोटो : हरिभूमि

नहरी जलघर का काम अगस्त में शुरू होगा

विकास कार्योंर् को लेकर बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि विकास कार्योंर् में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नही की जाएगी। यदि कहीं पर यदि ठेकेदार की लापरवाही से काम मे देरी हो रही है, तो ऐसे ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए। लोगों की समस्या सुनने के दौरान ही बिजली मंत्री ने अधिकारियों से हल्का रानियां के विकास की रिपोर्ट ली। जन स्वास्थ्य विभाग अधिकारी की ओर से बताया गया कि रानियां शहर में बनने वाले 61 करोड़ के नहरी जल घर का काम अगस्त माह में शुरू हो जाएगा। इसी प्रकार बरसाती पानी निकासी के 14 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट पर भी तेजी से काम किया जा रहा है। पंचायती राज विभाग की ओर से पिछले चार-पांच साल के दौरान हल्का रानियां में 55 से 60 करोड़ रुपए के कार्य हुए हैं। इसके साथ ही 32 ई-लाइब्रेरी स्थापित की गई हैं। ये सब बिजली मंत्री के प्रयासों का ही परिणाम है। इस प्रकार एक-एक कर विभाग के अधिकारियों ने हल्का में हुए विकास कार्योंर् की जानकारी दी।

दिव्यांग बच्चों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता की घोषणा

खुले दरबार में एक महिला अपने दो दिव्यांग बच्चों के साथ पहुंची। उसकी शिकायत उनके जेठ द्वारा उनके साथ गलत हरकतें करने के दबाव बनाने व उनके साथ मारपीट को लेकर थी। मंत्री ने पुलिस को निर्देश दिए कि महिला की शिकायत पर तुरन्त कार्रवाई की जाए। महिला ने बताया कि उसके दो दिव्यांग बच्चे हैं। मंत्री ने तुरंत सम्बंधित अधिकारियों को बुलाकरदोनों बच्चों को योजना से मिलने वाले लाभ के संबंध में कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने दोनों बच्चों को अपने निजी कोष से 50-50 हजार रुपए की राशि देने की भी घोषणा की। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त डॉ विवेक भारती, एसडीएम डॉ वेद प्रकाश बेनीवाल सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मम्मड़ खेड़ा स्कूल में मेधावी बच्चे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मम्मड़ खेड़ा में बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजकीय विद्यालय मम्मड़ खेड़ा की बोर्ड कक्षाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में कक्षा 6 में कल्पना, 7वीं में अंजली, 8वीं में पारस व 9वीं में आरजू प्रथम रही। 10वीं में पकंज ने प्रथम, पूजा ने द्वितीय तथा अमित ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा 12वीं में राजबाला ने पहला, आरती ने दूसरा व पूनम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया था। विद्यालय कार्यकारी प्राचार्य विनोद खन्ना ने अपने निजी कोष से कक्षा 6 से 12वीं तक के सभी प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 501 रुपए की नकद राशी व पानी की बोतल तथा द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को पानी की बोतल देकर सम्मानित किया तथा विद्यालय के सौंदर्यकरण के लिए 12 हजार रुपए गमले स्टेंड के लिए भेंट किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ साथ सभी विद्यार्थी प्रकृति सेवा में अपना विशेष योगदान दें व इस बरसात के मौसम में पौधरोपण भी जरूर करें।

राम नगर कॉलोनी रतिया में स्कूल की मांग को लेकर शुरू किया पक्का मोर्चा

रतिया। राम नगर कालोनी में स्कूल को मांग को लेकर कर के इंकलाबी नौजवान सभा द्वारा पक्का मोर्चा लगा दिया गया है। इंकलाबी नौजवान सभा के अध्यक्ष गुरप्रीत गोपी ने बताया कि सभा बड़े लम्बे अरसे से संघर्ष कर रही है लेकिन सरकार की खराब नीतियों के कारण व शिक्षा का निजीकरण करने के कारण लोगों की इस मांग को सरकार नजरंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अकेले राम नगर क्षेत्र का मुद्दा नहीं है, इसके साथलगते और भी तीन वार्ड है, यहां स्कूल बनने से वार्ड 12 की अम्बेडकर बस्ती, वार्ड 11 व 10 के लोगों को भी इससे लाभ होगा।

भूना के अंकित बने युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

भारतीय युवा कांग्रेस ने हरियाणा प्रदेश की नई सूची में भूना के युवा नेता और कुमारी सैलजा के करीबी अंकित चमारखेड़ा को सचिव पद की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी गई है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए अंकित चमारखेड़ा ने कांग्रेस महासचिव एवं सिरसा सांसद कुमारी सैलजा और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार व पार्टी हाईकमान का आभार जताते हुए कहा कि कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने सदैव युवाओं को बढ़ावा दिया है और हम सब युवा राजनीति में उनकी साफ-सुथरी छवि से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने कहा कि सुरेंद्र कुमार सैनी के नेतृत्व में सिरसा के लोकसभा चुनाव में युवाओं की टीम ने हर विधानसभा में जाकर डोर टू डोर किया और कांग्रेस के मैनिफेस्टो को घर घर तक पहुंचाया। अंकित ने बताया कि आने वाले समय में सांसद सैलजा के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में राजनीतिक बदलाव आएगा और इस बदलाव में युवा वर्ग देश में रीढ़ की हड्डी का काम करेगा। उन्होंने बताया कि देश में हुए लोकसभा के चुनाव से स्पष्ट हो गया है जनता बदलाव चाहती है।

पूनिया को प्रदेश प्रभारी बनाने पर हाईकमान का जताया आभार

फतेहाबाद। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डा. सतीश पूनिया को हरियाणा का प्रदेश प्रभारी नियुक्ति किया। उनकी नियुक्ति पर भाजपा पशुपालन एवं डेयरी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं फतेहाबाद विधानसभा के वरिष्ठ नेता राजपाल बैनीवाल ने खुशी व्यक्त की है। राजपाल बैनीवाल ने केन्द्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए नव नियुक्त प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया को बधाई दी। राजपाल बैनीवाल ने कहा कि डा. पूनिया के प्रदेश प्रभारी बनने से प्रदेश की भाजपा संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। सतीश पूनिया को संगठन का काफी लंबा अनुभव है। लोकसभा चुनाव में सतीश पूनिया को ही चुनाव प्रभारी बनाया गया था।

जनता को गुमराह कर रही सरकार : नेहरा

- कांग्रेस नेता ने निकाली पदयात्रा निकाल लोगों से मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

हरियाणा के पूर्व सिंचाई एवं शिक्षा मंत्री रहे स्व. जगदीश नेहरा के पुत्र वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट संदीप नेहरा ने आगामी विधानसभा की तैयारी में साथ चलो रानियां पदयात्रा 5 जुलाई से शुरू कर चुके हैं। नेहरा ने गांव पंजुआना से पदयात्रा की शुरूआत करते हुए शेखुपुरिया, फतेहपुरिया, जोधपुरिया होते हुए गांव खारियां में समापन किया तो दूसरे दिन की यात्रा का प्रारंभ गांव मेहना खेड़ा से करते हुए कुस्सर, खाजा खेड़ा होते हुए रात्री का ठहराव गांव ढुडियांवाली में किया। नेहरा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है, झूठी घोषणएं कर ये जुमलेबाज सरकार जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है लेकिन इस बार जनता भाजपा नेताओं के बहकावे में आने वाली नहीं है।

सिरसा। पदयात्रा करते कांग्रेस नेता संदीप नेहरा। फोटो : हरिभूमि

जनता इस सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाकर कांगे्रस की सरकार बनाने कमन बना चुकी है। नेहरा बीती 5 जुलाई दिन शुक्रवार को अपने पिता स्व. जगदीश नेहरा के जन्मदिवस के अवसर पर साथ चलो रानियां पदयात्रा की शुरूआत गांव पंजुआना से की। यात्रा के पहले दिन ही संदीप नेहरा की साथ चलो रानियां पदयात्रा को अपार जनसमर्थन मिला। लोगों में इस यात्रा को लेकर भारी उत्साह और जोश था। कार्यकर्ताओं ने जगह जगह पर संदीप नेहरा को फूल मालाएं पहनाकर उनका सम्मान किया। नेहरा ने कहा कि किसान अपनी मांगों को लेकर धरनारत है। उनकी बाते सुनने के लिए सरकार के पास समय नहीं है। सरकार किसानों की मांगों की अनदेखी करती आ रही है। युवा रोजगार के लिए भटक रहा है। एक ओर जहां सरकार रोजगार देने की बात करती है तो वहीं आंकडे बताते हैं कि देश में सबसे 'यादा बेरोजगारी हरियाणा में हैं। युवा नशे की चपेट में आया हुआ है, रोजाना युवाओं की नशे से मौत हो रही है लेकिन पुलिस नशा तस्करों पर अभी तक लगाम नहीं लगा सकी है। उन्होंने कहा कि पिछले चार-पांच सालों से सिरसा में मेडिकल कॉलेज के बनने के सपने दिखाए जा रहे हैं लेकिन धरातल पर अभी तक ऐसा कुछ नहीं हो है।

विद्युत कर्मचारी 12 को करेंगे प्रदर्शनः मदन

- मांगों के पूरा न होने पर कर्मचारियों में नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन की बैठक में उपस्थित कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन की बैठक मदन लाल सर्कल सचिव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मदन लाल, सुखदेव सिंह रा'य प्रेस सचिव व बाबूलाल रा'य उप प्रधान ने बताया कि कच्चे कर्मचारियों के 1500-1500 रुपये खाते में से मेडिकल सुविधा देने के लिए लगभग 1 साल हो गया है, राशि काटने के बाद भी चिरायु कार्ड अभी तक नहीं बनाए गए, जब तक कार्ड नहीं बनते बिजली निगम मेडिकल सुविधा दे। कौशल रोजगार निगम बनाया है, इससे किसी को कोई फायदा होने वाला नहीं है। 8 प्रतिशत मामूली राशि बढ़ाकर कच्चे कर्मचारियों के साथ बहुत भद्दा मजाक किया, आस लगाए बैठे 10-10 साल से कर्मचारी लगे हुए हैं, एक भी कर्मचारी पक्का नहीं किया है। झूठा प्रचार करने के सिवाय सरकार ने कुछ नहीं किया। मजदूर, किसान, कर्मचारी, दुकानदार हर वर्ग दुखी है। यूनियन ने फैसला किया है कि 12 जुलाई को सभी सब यूनिट पर गेट मीटिंग कर प्रदर्शन करने के बाद एसडीओ के माध्यम से मुख्य प्रबंधक के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे व 16 जुलाई को सर्व कर्मचारी संघ के आंदोलन कर्मचारियों की मांगों को लेकर ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन का एक-एक कार्यकर्ता प्रदर्शन में भाग लेगा। इस अवसर पर सुरजीत सिंह बेदी को मुख्य सलाहकार व अविनाश चंद्र कंबोज पूर्व रा'य उप प्रधान को डबवाली सब अर्बन सिटी यूनिट सिरसा का प्रभारी सभी की सहमति से चुना गया। उन्होंने कहा कि जब तक सांस है कर्मचारियों के हित की लड़ाई लड़ते रहेंगे। इस मौके पर सुभाष चंद्र सीसी मेंबर डबवाली, राजेश भाकर सीसी मेंबर, मीत चंद्र सिटी यूनिट प्रधान, गुलबाग सिंह यूनिट प्रधान सब अर्बन, विनोद कुमार यूनिट सचिव डबवाली, सतबीर कुंडू प्रेस सचिव, गिरधारी शर्मा, शीशपाल नेहरा, जयवीर, रविंद्र सब यूनिट कैशियर जीवन नगर व अन्य मौजूद रहे।

बीजेपी द्वारा की जा रही घोषणाएं मतदाताओं को लुभाने का आखिरी असफल प्रयास : सिवाच

फतेहाबाद। 12 जुलाई को होने वाले जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी में जुटे डॉ. वीरेंद्र सिंह सिवाच ने भट्टू ब्लॉक के कार्यकर्ताओं की बैठक ली और ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ताओं को सम्मेलन में पहुंचने के लिए आह्वान किया। शीशमहल पैलेस फतेहाबाद में होने वाले सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा एवं प्रदेश अध्यक्ष उदयभान भाग लेंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. वीरेंद्र सिंह सिवाच ने कहा आज भाजपा सरकार हर मोर्चे पर असफल हो रही है और मात्र घोषणा पर घोषणा कर रही है जोकि मतदाताओं को लुभाने का आखिरी असफल प्रयास है। आज सारे हरित प्रदेश में डर और असुरक्षा का माहौल है। छोटे बड़े व्यापारियों व उद्योगपतियों को फिरौती के लिए फोन और धमकियां मिल रही हैं। आज अपराधियों द्वारा सरेआम गोलियां बरसाई जा रही है और दिन दिहाड़े असामाजिक तत्व सड़कों पर घूम रहे हैं।

22 करोड़ का बजट हुआ पास, विकास कार्यों की लगेगी झड़ी : लक्ष्मण नापा

रतिया। विधायक लक्ष्मण नापा ने शनिवार को रेस्ट हॉउस में प्रशासनिक अधिकारियों की मीटिंग लेकर विकास कायार्ें में तेजी लाने के सख्त दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इलाके में जितने भी विकास कार्य चल रहे हैं, उनको जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने नगरपालिका और जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कहा कि शहर में बरसात होने के कारण सिवरेज से हो रही परेशानियों से शहर के लोंगो को निजागत मिलनी चाहिए और बरसाती पानी का भी उचित प्रबंध होना चाहिए। विधायक लक्ष्मण नापा ने कहा कि नगरपालिका का करीब 22 करोड़ रूपये का बजट पास हो चुका है, जिससे अब शहर में विकास कायार्ें की झड़ी लगेगी। बरसात के दौरान शहर के लोंगो को पानी निकासी को लेकर दिक्कत आती थी, वह भी अब दूर होंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रतिया विद्यानसभा क्षेत्र में विकास कायार्ें को लेकर अब कई कायार्ें के टेंडर लग चुके है, उन्हें जल्द पूरा करना सुनिश्चित करें। विधायक ने पार्षदो की समस्याएं भी सुनी व अधिकारियों से उनका तुरंत समाधान करने के लिए कहा। इस मौके पर रतिया एसडीएम जगदीश चन्द्र, तहसीलदार विजय कुमार व अन्य मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9653530209, 9253681005

हिसार में 21 को मनाई जाएगी महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती

प्रदेश में बनेगी तीसरी बार भाजपा की सरकार : गंगवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने कहा कि सरकार संत और महापुरूषों की जयंतियां सरकारी स्तर पर मना रही है। इसी कड़ी में 21 जुलाई को गुरु दक्ष आईटीआई आर्य नगर, हिसार में महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती भी बड़ी धूमधाम से मनाई जाएगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह मुख्यातिथि होंगे। वे शनिवार को फतेहाबाद में भूना रोड स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने समाज के गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक कर 21 जुलाई को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती में भाग लेने की अपील की। डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने कहा कि पिछड़ा वर्ग की पुरानी मांगों को मुख्यमंत्री ने पूरा किया है। क्रिमीलेयर की आय सीमा भी केंद्र सरकार की तर्ज पर 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दी है, जिसमें कृषि और सैलरी का आय नहीं जोड़ी जाएगी। कौशल रोजगा निगम की भर्तियों में 27 प्रतिशत आरक्षण पिछड़ा वर्ग को दिया गया है। इसके साथ ही सरकारी नौकरियों में पिछड़ा वर्ग के बैकलॉग को भी पूरा करवाया जाएगा। इन घोषणाओं से समाज में खुशी है और समाज भाजपा की नीतियों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनी है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में प्रदेश में भी तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने प्रदेश सरकार को सभी वगार्ें के कल्याण के लिए कार्य करने वाली सरकार बताते हुए कहा कि सरकार ने किसान, व्यापारी, कर्मचारी, महिला, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए है। डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने कहा कि पूर्व की सरकारों में पिछड़ा वर्ग के साथ अनदेखी हुई। सरकारी भर्तियों में अयोग्यता का बहाना करके खाली रखा जाता था, जिसके कारण बैकलॉग खड़ा हो गया। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रदेश सरकार इस बैकलॉग को भरने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा के चुनाव में भाजपा को सबसे ज्यादा 46.11 प्रतिशत मत मिले जबकि कांग्रेस को 43 प्रतिशत मत मिले है।

फतेहाबाद। पत्रकारों से बातचीत करते हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 7 जुलाई 2024

स्वस्थ, निरोग और दीर्घायु की कामना अधिकांश लोग करते हैं। वास्तव में ये सब हासिल करना बहुत कठिन नहीं है। इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने होंगे, कुछ गुड हैबिट्स अपनानी होंगी और कुछ बैड हैबिट्स को बाय-बाय कहना होगा। इसके बाद तो आप लाइफ की सेंचुरी लगा सकते हैं।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

अपनाएं ये हैबिट्स जिएंगे 100 साल

अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समय पूरी दुनिया में 4,50,000 लोग ऐसे हैं, जो अपनी आयु का सैकड़ा लगा चुके हैं। आने वाले दिनों में उम्र की सेंचुरी लगाने में सफल होने वाले लोगों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अगर आप भी अपनी लाइफ में सेंचुरी का आंकड़ा छूना चाहते हैं तो कुछ आदतों को अपने रुटीन में अपनाना होगा।

सोशल सर्किल हो बड़ा

अगर आप अनजान लोगों से भी आसानी से घुल-मिल जाते हैं, अपने सहकर्मियों के साथ जिंदादिली से मिलते हैं, रिश्तेदारों के साथ मिलते-जुलते रहते हैं, दोस्तों के साथ जमकर ठहाके लगाते हैं और परिवार के सदस्यों के साथ स्नेह और अपनेपन का संबंध रखते हैं, तो आपके शतकवीर होने की संभावना काफी ज्यादा है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में जेरियाट्रिक मेडिसिन (वृद्ध लोगों की चिकित्सा) के वरिष्ठ प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'अकेले और गुमसुम रहने वाले लोग अकसर बीमार रहने लगते हैं।' दीर्घायु लोगों की खोज और उन पर अध्ययन करने के लिए दुनिया भर की सैर कर चुके नेशनल ज्योग्राफिक के शोधकर्ता डैन बटनर कहते हैं, 'इटली के सरडीनिया में सौ साल की आयु पार कर चुके लोगों की बड़ी संख्या है और ये लोग दोस्ती और जिंदादिली के कारण ही स्वस्थ और खुश रहते हैं। जब भी कोई व्यक्ति बीमार पड़ता है, उसका पड़ोसी तुरंत उसके पास पहुंच जाता है। इससे जल्द स्वस्थ होने में मदद मिलती है।'

खोजें जीने का मकसद

बिना मकसद की जिंदगी कुछ ऐसी ही होती है, जैसे बिना पते का लिफाफा। जिन्होंने अपने जीवन में ना कोई लक्ष्य तय कर रखा है और ना उन्हें जीने का मकसद मालूम है, उनकी जिंदगी में दिलचस्पी भी कम होती चली जाती है। लेकिन जो किसी मकसद से जीते हैं और किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं, उनमें जिंदगी के प्रति उमंग रहती है और वे मानसिक और शारीरिक रूप से क्रियाशील रहते हैं। ऐसे लोग अकसर लंबी आयु जीते हैं। साइकोलॉजिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक शोध में भी अनुसंधानकर्ताओं ने ऐसी राय जाहिर की है। न्यूयॉर्क सिटी (अमेरिका) के माउंट सिनाई में स्थित इशान स्कूल ऑफ मेडिसिन के जेरियाट्रिक्स प्रोफेसर रोजेन लीपजिंग कहते हैं कि आपको नए दोस्त बनाने चाहिए, नई हॉबीज अपनानी चाहिए और सामाजिक कार्यों में वालंटियर के तौर पर सपोर्ट देना चाहिए।

वेट पर रखें कंट्रोल

जिसने अपनी सेहत की लगाम ढीली छोड़ दी और वेट, डाइट पर कंट्रोल नहीं कर पाता है, उसके जिंदगी की फील्ड पर जल्दी आउट होने के चांस बढ़ जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए शोधों के नतीजे बताते हैं कि जिन महिलाओं के कमर की माप 37 इंच या उससे ज्यादा थी, 40 वर्ष की उम्र के बाद उनकी आयु दूसरी महिलाओं (27 इंच या कम कमर वाली) की तुलना में 5 वर्ष तक कम हो सकती है। इसी प्रकार 35 इंच या कम कमर की माप वाले पुरुषों की तुलना में 43 इंच या उससे ज्यादा कमर के घेरे वाले पुरुषों की आयु में तीन साल तक की कटौती हो सकती है। जाहिर है, अगर आपने अपने कमर के घेरे यानी बॉडी वेट पर कंट्रोल कर रखा है तो आपकी आयु लंबी होने की संभावना बढ़ जाती है।

मिड एज में भी रहें फिजिकल एक्टिव

यंग एज में ही नहीं मिड एज में भी अगर आप खूब चलते-फिरते हैं, शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, तो बाद में भी आपके स्वस्थ रहने के चांस ज्यादा बढ़ जाते हैं। 'आर्चीव्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन' में प्रकाशित अध्ययन के नतीजे कुछ ऐसा ही संकेत करते हैं। मध्यवय के 19,000 वयस्कों पर अध्ययन करने के बाद सेहत विज्ञानियों ने पाया कि जो लोग इस उम्र तक फिट रहते हैं आगे चलकर उनमें हार्ट डिजीज, टाइप-2 डायबिटीज, कैंसर, अल्जाइमर्स आदि रोग होने की संभावना तुलनात्मक रूप से कम होती है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'जो लोग अपनी जिंदगी में भागते-दौड़ते रहते हैं, वॉकिंग करते है या साइकिल चलाते रहते हैं, वे लंबी आयु के स्वामी होते हैं।'

उपयोगी है दोपहर में झपकी

आप खूब काम करते हैं, सक्रिय रहते हैं फिर भी दोपहर में कुछ पल आराम के निकालते हैं और झपकी लेते हैं, तो आपके शतायु होने की संभावना में इजाफा हो जाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 23000 लोगों पर लगातार 6 सालों तक अध्ययन किया तो पाया कि जिन लोगों में दोपहर को 30 मिनट तक नींद लेने की आदत थी, उनमें अन्य लोगों की तुलना में हार्ट डिजीज से मरने का 37 फीसदी कम जोखिम था। ग्रीस के एक छोटे से गांव इकारिया में सौ वर्ष की आयु पार चुके लोगों की बड़ी संख्या है और उन सभी में कुछ देर दोपहर को नियमित सोने की आदत है।

ताजे फल-सब्जियों का सेवन

मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध में पता चला है कि फल और सब्जियों का भरपूर सेवन करने वाली महिलाओं की आयु, फल-सब्जी कम खाने वाली महिलाओं की तुलना में अधिक होती है। इन महिलाओं की फल-सब्जी खाने की आदत का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने इनसे पूछताछ के साथ इनके रक्त की जांच भी की। विशेषज्ञ बताते हैं कि दीर्घायु होने में फल-सब्जियों की महती भूमिका का जीता-जागता सबूत है जापान के ओकीनावा में रहने वाले शतायु बुजुर्ग। इस शहर में दुनिया की किसी भी दूसरी जगह के मुकाबले सबसे ज्यादा सौ वर्षीय या ज्यादा उम्र के लोग रहते हैं। यहां प्रति लाख 50 लोग सौ साल से ज्यादा उम्र के मिलेंगे। इस शहर के लोगों में प्लांट बेस्ड डाइट खाने की आदत है। इनमें से ज्यादातर लोग इन फल-सब्जियों को खुद अपने बगीचे में उगाना पसंद करते हैं। *

ये हैबिट्स भी हैं कारगर

- **अगर आप** जिंदादिल, हंसोड़ और आशावादी हैं तो आपकी आयु सौ के पार जाने में ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। 'एजिंग' जर्नल में प्रकाशित एक शोध के नतीजों से पता चला है कि ऐसे लोग स्ट्रेस और एंजायटी से बचे रहते हैं, इसलिए इनकी आयु रूखे स्वभाव वाले लोगों की तुलना में ज्यादा होती है।
- आप खुद को असली उम्र से कम फील करते हैं और अकसर दूसरे लोग भी ऐसा ही आकलन करते हैं, तो तय मानिए कि आप चिरायु होंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को वास्तविक उम्र से अधिक का समझने वाले और जल्दी ही बूढ़े दिखने वाले लोग अकसर कम उम्र में ही चल बसते हैं।
- आप मेडिटरेनियन डाइट लेते हैं तो आपकी आयु शर्तिया ज्यादा होगी। साबुत अनाज, मेवे, लेग्यूम्स, ऑलिव आयल के साथ-साथ फलों और सब्जियों का सेवन करने से शरीर को भरपूर पोषण मिलता है और कोशिकाएं निरंतर रीजेनरेट होती रहती हैं।

हियरिंग लॉस की वजह बनता हेडफोन-ईयरफोन

जब से स्मार्टफोन और उससे कनेक्टेड हेडफोन/ईयरफोन का ट्रेंड बढ़ा है, दुनिया भर में हियरिंग लॉस के केसेस में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। यह हैबिट कितनी हार्मफुल है और इससे बचना कितना जरूरी है, आपको पता होना चाहिए।

{ टेक्नोबिहेवियर / डॉ. मोनिका शर्मा }

पार्श्व गायिका अलका याग्निक ने पिछले दिनों खुलासा किया था कि वे सुनने से जुड़े एक दुर्लभ डिसऑर्डर की शिकार हो गई हैं। अपनी सुरीली आवाज के लिए जानी जाने वाली इस चर्चित गायिका के अनुसार, 'डॉक्टर्स ने मुझे बताया कि मैं सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस का शिकार हो गई हूं। वायरल अटैक के कारण इस बहरेपन का पता चला है।' अपनी स्वास्थ्य समस्या को साझा करते हुए अलका याग्निक ने लोगों को बहुत तेज संगीत और हेडफोन से फास्ट म्यूजिक सुनने को लेकर सावधान किया है। देश के एक चर्चित चेहरे की यह सलाह बहुत से लोगों के लिए चेतावनी के समान है। मौजूदा दौर में हर ओर यही देखने में आता है कि एक्सरसाइज, वॉक, ट्रैवलिंग या फिर दूसरे कोई घरेलू काम निपटाते हुए भी बहुत से लोग ईयरफोन या हेडफोन लगाए रहते हैं। यह अपने परिवेश से खुद को अलग करने वाला बर्ताव तो है ही, बीमारियों को न्योता देने वाली आदत भी है। जरूरी है कि समय रहते सजगता बरती जाए।

हेल्थ पर भारी स्टाइल स्टेटमेंट: बिना सोचे-समझे स्टाइलिश दिखने के लिए इस्तेमाल की जा रहीं ऐसी तकनीकी सौगातें, अब हेल्थ के लिए रिस्क पैदा करने लगी हैं। असल में बिना अनुशासन के काम में ली जा रही हर चीज के खामियाजे होते ही हैं। सबसे पहले तो यह समझना जरूरी है कि हरदम हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखने में फैशनेबल दिखने जैसी कोई बात नहीं है। तकनीक से मिली बहुत सुविधाओं में यह भी एक सुविधा भर है, जिसके इस्तेमाल की अति, हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बनती है। हर समय हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखना सीधे-सीधे हमारी सुनने की क्षमता को प्रभावित करता है। इतना ही नहीं बाहरी शोरगुल से बचाने वाली यह तकनीक, हमारी मनःस्थिति के लिए घातक है। दूसरों से बोलने-बतियाने से लेकर किसी विशेष परिस्थिति में सहज बने रहने तक, बहुत आम सी बातें व्यवहार से गायब हो जाती हैं।

कई रोगों का कारण: ईयरफोन या हेडफोन से तेज संगीत सुनना, केवल हियरिंग लॉस ही नहीं करता बल्कि शरीर के दूसरे अंगों पर भी दुष्प्रभाव डालता है। यूं लगातार म्यूजिक सुनते रहने से मेंटल और इमोशनल सेहत भी प्रभावित होती है। असल में इंसान के कानों की सुनने की क्षमता केवल 90 डेसिबल होती है। लगातार तेज आवाज का कानों में गूंजते रहना इसे 40-50 डेसिबल तक कम कर सकता है। इतना ही नहीं यूं हरदम म्यूजिक सुनते रहना दिल की धड़कनें भी बढ़ा देता है। इससे हृदय से जुड़ी परेशानियां भी होने लगती हैं। इसके अलावा सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव, एकाग्रता की कमी और कानों में इंफेक्शन होने जैसी समस्याएं भी सामने आने लगती हैं।

स्मार्ट फोन का सधा इस्तेमाल जरूरी: हरदम कुछ ना कुछ सुनते रहने की आदत से बचने के लिए स्मार्ट फोन की लत से बचना पहला कदम है। आज के समय में हर कहीं इंटरनेट का उपलब्ध होना और डिजिटल मीडिया में देखने-सुनने के लिए मौजूद सामग्री की भरमार भी यूजर्स द्वारा हर पल कानों में ईयरफोन लगाए रखने का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है मीटिंग्स, स्कूल-कॉलेज की क्लास या आवश्यक बातचीत के लिए कुछ समय ईयरफोन का इस्तेमाल किया जा सकता है पर लंबे समय तक ऐसा करना घातक है। इससे धीरे-धीरे सुनने और समझने की क्षमता भी प्रभावित होने लगती है। ड्राइविंग के दौरान हेडफोन या ईयरफोन लगाए रहना अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी जोखिम पैदा करने वाला बर्ताव है। घर-परिवार में ईयरफोन लगाकर रखने वाले लोग अपनों की बात भी सहजता से नहीं सुनते-समझते। यह स्थिति सार्थक संवाद में बाधा बनती है। असल में टेक्नोलॉजिकल रेवोल्यूशन के नाम पर अपने परिवेश से दूर होने के अनगिनत खामियाजे हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट को एक सौगात की तरह समझते हुए सधकर इन सुविधाओं का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है।

पैरेंट्स रखें बच्चों का ध्यान: कैलिफोर्निया के ऑस्टियोपैथिक बाल रोग विशेषज्ञ, जेम्स ई. फॉय, कहते हैं कि लंबे समय तक तेज आवाज में हेडफोन सुनने से बच्चों और किशोरों में हमेशा के लिए सुनने की क्षमता कम हो सकती है। असल में हेडफोन और हियरिंग लॉस का सीधा संबंध है। मौजूदा समय में 5 में से 1 किशोर किसी न किसी रूप में हियरिंग लॉस का अनुभव करता है। बीते 20 साल में यह आंकड़ा लगभग 30 फीसदी बढ़ गया है। हियरिंग लॉस के बढ़ते आंकड़े के पीछे हेडफोन का बढ़ता इस्तेमाल अहम वजह है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन का अनुमान है कि दुनिया भर में करीब 1 अरब युवा ईयरफोन लगाकर सुनने की असुरक्षित आदतों के कारण सुनने की क्षमता खोने के जोखिम में हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ द्वारा यह चेतावनी भी दी जा चुकी है कि ईयरफोन के अधिक इस्तेमाल से 2050 तक 70 करोड़ से ज्यादा लोग हियरिंग लॉस का शिकार बन सकते हैं। ऐसे में पैरेंट्स समय रहते अपने बच्चों को इन तकनीकी सुविधाओं के इस्तेमाल की अति से बचाएं। *

{ लघुकथा / अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन' }

अजूबा

रोज अपनी कालोनी से मिंटो पार्क तक सुबह साथ-साथ टहलने जाने और घंटों साथ रहने वाले दोनों वृद्ध पड़ोसी इस बार एक सप्ताह के बाद मिले थे।

'कहो भाई वर्मा! कहां निकल गए थे। सुना है बहुत लंबा टूर कर आए। क्यों सब खैरियत तो है?' पड़ोसी माथुर जी ने पूछा।

'क्या बताऊं यार! अपनी लड़की की शादी के सिलसिले में निकला था। पहले मुजफ्फरपुर गया, वहां से रांची फिर हजारीबाग, इसके बाद पटना से बक्सर होते हुए कल ही वापस लौटा हूं। लेकिन इस यात्रा में एक अजूबा हुआ। तुम सुनोगे तो सहसा विश्वास नहीं करोगे।' वर्मा जी बोले। 'ऐ! अजूबा...? कैसा अजूबा...? मैं भी तो सुनूं जरा।' माथुर जी जानने के लिए आतुर हुए। ' हुआ यह कि मैं पूरे एक हफ्ते बस और ट्रेन की यात्रा करता रहा, लेकिन रास्ते में कहीं भी किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई। ना कोई एक्सीडेंट, ना कहीं तोड़-फोड़, ना चक्काजाम, ना प्रदर्शन, ना ट्रेन डकैती, ना बस में चोरी, ना लूटपाट... कुछ भी नहीं हुआ। कहीं कोई वारदात नहीं हुई। मैं जैसे गया था, यहां से वैसे ही सकुशल वापस आ गया। बोलो है न अजूबे की बात?'

माथुर जी तुरंत बोले, 'बस... इतनी सी बात। अब मेरी सुनो। मेरे साथ तो इससे भी अधिक अजूबे की बात हुई। तुम्हें तो पता ही है कि गांव में मेरी थोड़ी-सी पुश्तैनी जमीन पड़ी हुई थी।'

मैंने सोचा बच्चों को तो अब लौट कर गांव जाना नहीं है और अपनी जिंदगी का कोई भरोसा नहीं, पका आम हूं कब टपक पड़ूं, पता नहीं। सो मन हुआ कि उस जमीन को बेच दूं। इसी सिलसिले में मैं गांव गया था। सचमुच यार! मुझे यह देख कर बहुत हैरानी हुई कि तहसील की खसरा, खतौनी में वह जमीन अभी भी मेरे ही नाम थी। बताओ यह अजूबे की बात नहीं तो भला और क्या है? और उससे भी अधिक अजूबे की बात तो यह हुई कि मैं उस जमीन को बेच कर, पूरे अस्सी हजार रुपए नकद लेकर अपने गांव से यहां तक बिल्कुल सही-सलामत वापस आ गया।' माथुर जी ने अपने पड़ोसी वर्मा जी से कहा।

'हूं...! बात तो वाकई अजूबे की है!' कह कर वर्मा जी ने एक गहरी सांस ली। इसके बाद दोनों कुछ देर खामोश बैठे रहे। उन्हें मन ही मन बहुत आश्चर्य हो रहा था। *

उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं।

इधर की इनफॉर्मेशन उधर करने वाले

{ व्यंग्य / सतीश उपाध्याय }

किसी की शादी, जलसा हो या ऑफिस में किसी की ज्वॉइनिंग या रिटायरमेंट सबसे पहले 'उन्हीं' को जानकारी मिलती है। फटाक से जानकारी हासिल करने के मामले में उनकी 'सोशल स्किल' बहुत तगड़ी है। वे चुगली नहीं करते बल्कि नई इनफॉर्मेशन को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का काम करते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है, गॉसिपिंग के मामले में उनके ब्रेन की संरचना पर रिसर्च भी किया जा सकता है।

किसी की लाइफ में कोई परेशानी हो या कोई फील गुड, वे तो ताड़ ही जाते हैं। ताड़ने के बाद, फिर वे अर्जित जानकारी का 'तिल का ताड़' बना देते हैं। इस काम में भी वे इतने परफेक्ट हैं कि लगता है कि ये खूबी उनको अपने ही डीएनए से मिली है। उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं। सोसाइटी के बाकी लोगों से अलग हटकर उनमें कई खूबियां हैं। वे गजब हैं, टॉमी की तरह तेज घ्राणशक्ति भी रखते हैं। उनकी आदत, ऑफिस हो या कोई भी लोकेलिटी, आस-पड़ोस सभी जगह सक्रिय रहती है। फैमिली, रिश्तेदार, पास-पड़ोस सबकी जिंदगी के बारे में उन्हें, उनके ही हिसाब से जानकारी रहती है। ऐसे ही लोगों के भीतर निंदा रस ज्यादा पाया जाता है। इसीलिए उनकी सोशल इनफॉर्मेशन बहुत तगड़ी है। यही निंदा रस उन्हें हेल्दी बनाए हुए है। वे निंदा कर फील गुड करते हैं। जब वे किसी की निंदा करते हैं, तब उनके भीतर ऑक्सीटोसिन हार्मोंस का स्तर बढ़ जाता है। इस हार्मोन की वजह से वह जब-जब जिसकी, जितनी गहरी निंदा करते, वे उस समय उतने ही प्रसन्न भी रहते हैं। तब उनके हार्मोंस का स्तर सिर चढ़कर बोलने लगता, अपनी बात की प्रामाणिकता के लिए कसम भी खाते और कान के एकदम नजदीक आकर फुसफुसाते, 'मैंने अपनी आंखों से देखा है।'

ऐसे लोगों के लिए ही कबीर ने कहा है- 'आंगन कुटी छवाय।' वे निकट बने रहेंगे तो हमारी कमजोरी पर उनकी निगाह रहेगी। हम दुरुस्त रहेंगे। अपने निंदारस को बढ़ाने के लिए वे प्रायः महफिल खोजते हैं। जहां वे अपनी स्किल को बढ़ा सकें। इससे उनके दिल और दिमाग की सेहत दुरुस्त रहती है। उनके बातचीत का केंद्रीय विषय दूसरों की निंदा ही होती है। इसी में उन्हें खुशी का एहसास होता है। जब तक दो-चार लोगों की, दूसरों की निंदा ना कर लें, वे बेचैन रहते हैं। उनके मस्तिष्क में कई मौलिक विचार जागृत होते रहते हैं। ऐसा लगता है, जिस प्रकार हर नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त है, उन्हें भी निंदा करने का अधिकार प्राप्त है। दूसरों की निंदा में उन्होंने जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा गुजारा है, शायद परमात्मा ने उन्हें जीवन निंदा करने के लिए ही दिया है। उनके हृदय में निंदा, उत्सव की तरह विराजमान रहता है। जब-जब वे निंदा करते हैं, तब-तब उनका उत्सव संपादित हो जाता है। उनके दिल में, कॉलोनी के लोगों से जुड़े अलग-अलग मौलिक किस्से मौजूद रहते हैं। अवकाश के दिनों में तो उनके पास रुमानियत के कई काल्पनिक किस्सों का इजाफा हो जाता है।

खैर वक्त तो लगा, वे पहचाने गए। समय के साथ पूरी कॉलोनी भी विवेकवान और उनसे सतर्क हो गई है। अब उनसे कॉलोनी बहुत दूर होती जा रही है। एक दिन पूरी कॉलोनी वालो ने ताड़ लिया कि वे हमारी 'आदर्श कॉलोनी' को छोड़कर 'समता कॉलोनी' शिफ्ट कर रहे हैं। *

जगन्नाथ रथ-यात्रा को भारतीय धर्म-संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है और यह यात्रा पुरी नगर के बाहर से आने वाले लोगों को भी सामूहिक आनंद और भक्ति का अनुभव कराती है। प्रत्येक वर्ष आषाढ़ माह में आयोजित होने वाली इस यात्रा में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। आस्था-भक्ति का यह आयोजन अपनी भव्यता के लिए भी जाना जाता है।

भक्ति-संस्कृति का संगम

जगन्नाथ रथ-यात्रा

धार्मिक आयोजन / अलका 'सोनी'

भक्ति और प्रेम में असीम शक्ति होती है। इससे वशीभूत होकर स्वयं भगवान भी खिंचे चले आते हैं। हमारे देश में तो भक्तों की अपने आराध्य भगवान से अनोखे रिश्ते की परंपरा रही है। यहां हम अपने भगवान को कभी झूला झुलाते हैं तो कभी रथ पर बिठाकर प्रेम से भ्रमण कराते हैं। इसके लिए पथ बुहारने का काम राजे-महाराजे करते रहे हैं। ऐसे ही अपने आराध्य प्रभु जगन्नाथ के रथ को अपने हाथों से खींचते हुए भ्रमण कराना अद्भुत अनुभव देता है। माना जाता है कि जिसे रथ खींचने का सुअवसर मिलता है, वो सौभाग्यशाली होता है। वैसे तो रथ-यात्रा मूलतः ओडिशा का त्योहार है। लेकिन अब पूरे देश में श्रद्धालु प्रेमपूर्वक भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलरामजी की रथ-यात्रा निकालते हैं।

हिंदू धर्म में विशेष महत्व

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ, श्रीकृष्ण के एक रूप माने जाते हैं और भगवान विष्णु के अवतारों में श्रीकृष्ण को पूर्णावतार माना जाता है। इसलिए उनकी यात्रा को भी श्रद्धालुओं द्वारा अत्यधिक आदर और भक्ति के साथ पर्व के रूप में मनाया जाता है। रथ- यात्रा की परंपरा सदियों पुरानी है और इसे भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है। इसकी जड़ें इतिहास में गहराई तक फैली हुई हैं, जो इसे विशेष बनाती हैं। जगन्नाथजी की रथ यात्रा ना केवल भारत में बल्कि विश्व भर में प्रसिद्ध है और हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु इसमें शामिल होने के लिए आते हैं।

सदियों पुरानी परंपरा

इतिहासकारों की मानें तो रथ-यात्रा की परंपरा, 12वीं सदी में शुरू हुई थी। हालांकि इस बारे में कुछ कथाएं भी प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार, जब राजा इंद्रद्युम्न ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी की मूर्तियां बनवाईं तो रानी गुंडिचा ने मूर्तियां बनाते हुए मूर्तिकार विश्वकर्मा और मूर्तियों को देख लिया, जिस वजह से मूर्तियां अधूरी ही रह गईं। तब आकाशवाणी हुई कि भगवान इसी रूप में स्थापित होना चाहते हैं। इसके बाद राजा ने इन्हीं अधूरी मूर्तियों को मंदिर में स्थापित करवा दिया। उस वक्त आकाशवाणी हुई कि भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी जन्मभूमि मथुरा जरूर आएंगे। स्कंद पुराण के उत्कल खंड के अनुसार राजा इंद्रद्युम्न ने आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के दिन प्रभु के उनकी जन्मभूमि जाने की व्यवस्था की। तभी से यह परंपरा रथ-यात्रा के रूप में चली आ रही है।

इस यात्रा से संबंधित दूसरी कहानी देवी सुभद्रा से जुड़ी है। पद्म पुराण के अनुसार, एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने अपने प्रिय भाई से नगर देखने की इच्छा जताई। तब जगन्नाथ जी ने अपने बड़े भाई बलभद्र और लाडली छोटी बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाया और नगर दिखाने के लिए निकल पड़े। यह घटना आषाढ़ के दिनों की है। इसी भ्रमण के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्रजी और सुभद्राजी अपनी मौसी के घर गुंडिचा भी गए थे। अपनी मौसी के घर इन तीनों ने सात दिनों तक ठहर कर विश्राम किया था। उसी मान्यता के अनुसार आज भी यह यात्रा सात दिन बाद तीनों के वापस जगन्नाथ मंदिर में आने के बाद ही समाप्त होती है।

यात्रा के विभिन्न चरण

यह संपूर्ण यात्रा, रथयात्रा, गुंडिया यात्रा और निलाद्री विजय यात्रा के तीन अवस्थाओं में विभाजित होती है। इस यात्रा के लिए तीन विशाल रथ तैयार किए जाते हैं, जिन्हें लकड़ी से बनाया जाता है। ये रथ अत्यधिक भव्यता से सजाए जाते हैं और इन्हें खींचने के लिए हजारों भक्त एकत्रित होते हैं। 'नंदिघोष' नामक रथ पर भगवान जगन्नाथ विराजमान होते हैं। तालध्वज नामक रथ पर बलभद्र जी और देवदलन नामक रथ पर सुभद्रा जी विराजमान होती हैं। इस यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और उनकी बहन सुभद्रा को मंदिर से एक मार्ग द्वारा पुरी के गुंडिचा मंदिर तक ले जाया जाता है। यह यात्रा की प्रारंभिक अवस्था होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी को उनके विशेष रथों में स्थानांतरित किया जाता है। यह रथ-यात्रा भरपूर धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न की जाती है। इसमें हजारों लोग भाग लेते हैं, जो रथ को खींचते हैं और उसे पुरी नगर तक ले जाते हैं।

दूसरी अवस्था गुंडिया यात्रा की होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों के दर्शन के लिए एक विशेष गुंडीया में वापस लाए जाते हैं। इसमें उनकी विशिष्ट पूजा-अर्चना की जाती है। उनके दर्शन करने के लिए भक्तों का एक खास आयोजन होता है।

तीसरी और अंतिम अवस्था निलाद्री विजय यात्रा या बहुदा यात्रा होती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी को जगन्नाथ मंदिर में वापस ले जाया जाता है। इस अवस्था में विभिन्न पूजा-अर्चना के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और भक्तों को भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

जुड़ी हैं कई मान्यताएं

भक्ति, प्रेम और उपासना के साथ-साथ इस रथ-यात्रा के अन्य महत्त्व भी हैं। मान्यता है कि जो भी भक्त भगवान जगन्नाथ की रथ-यात्रा में शामिल होता है, उसके जीवन में सभी दुख-दर्द खत्म हो जाते हैं। साथ ही भूल से हुए अपराधों के लिए भक्त क्षमा मांगकर अपने जीवन का नया अध्याय भी शुरू करते हैं। भगवान जगन्नाथ के दर्शन के बाद भक्तों को सुख-शांति के साथ अपना जीवन जीने के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि जो लोग भी सच्चे भाव से इस यात्रा में शामिल होते हैं, उनकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस यात्रा के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। इस रथ-यात्रा में शामिल होने का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

उतार-चढ़ाव भरी जिंदगी में हम कई बार अपने कुछ प्रयासों में नाकामयाब हो जाते हैं। ऐसे में निराश होने, मन में नकारात्मक भाव लाने और हार मानने की बजाय कुछ सकारात्मक सोचें और आगे बढ़ें तो सफल जरूर होंगे।

नाकामी से ना हों निराश

सीखें कुछ सकारात्मक

हालांकि हममें से अधिकतर लोग बुरे वक्त और असफलता से बचना चाहते हैं। लेकिन देखा जाए तो इसमें भी ऐसे महत्वपूर्ण सबक होते हैं, जो ना सिर्फ ताउम्र याद रहते हैं बल्कि जीवन के लिए बेहद उपयोगी भी साबित होते हैं। इसलिए नाकामयाबी को भी एक संदेश की तरह स्वीकार करें।

सुधार का अवसर मानें: कोई नहीं जानता कि कब नाकामी का सामना करना पड़ेगा। लेकिन नाकामी को अपनी गलतियां पहचानने और उन्हें दूर करके अपनी कार्यशैली या आदतों में सुधार का अवसर समझें। समझदार लोग विफलताओं से ज्ञान हासिल करते हैं और इस ज्ञान को सफलता हासिल करने में इस्तेमाल करते हैं। याद रखें, हर नाकामी आपको एक नया अनुभव और सबक देती है, जो आपको अधिक ताकतवर और समझदार बनाते हैं।

गलतियां दोहराने से बचें: आप जब भी किसी लक्ष्य को हासिल करने में नाकामयाब हों तो उसे हासिल करने के प्रयासों का शुरू से लेकर आखिर तक पूरा आकलन करें। एक बार जब आप आत्मसमीक्षा करने और अपनी गलतियों को पहचानने में कामयाब हो जाएंगे तो आप भविष्य में उन गलतियों को दोहराने से बच सकेंगे।

नाकामी जीवन का हिस्सा: इस दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जो कभी असफल नहीं हुआ होगा। दुनिया के सफलतम और सबसे प्रतिभाशाली लोगों ने भी अपने जीवन में कई बार विफलताओं का सामना किया है। हर असफलता के बाद आपको भी यह ध्यान रखना है कि यह जीवन का एक हिस्सा है और अब आपको विराम नहीं बल्कि दोबारा नए सिरे से कोशिश करनी है।

लक्ष्य की राह में मील का पत्थर: जब आप नाकामी के प्रति अपना नजरिया बदल लेते हैं और इसे दिल पर लेना छोड़ देते हैं तो विफलताएं आपकी राह में मील का पत्थर साबित होने लगती हैं। 'फीलिंग फॉरवर्ड' नामक चर्चित पुस्तक में जॉन सी मैक्सवेल ने यही लिखा है, 'जब आप ऐसा समझ लेते हैं तो अधिक उत्साह से अवसरों का सामना करते हैं और हार का डर आपके दिमाग से निकल जाता है। आप अपने सारे प्रयास समझ-बूझकर करते हैं और सफलता ज्यादा आसान हो जाती है।'

खुद पर भरोसा रखें: यह एक सामान्य सी बात है कि गलती या नाकामी की स्थिति में आपको अपने परिजनों, बॉस या सहकर्मियों से कुछ ताने सुनने पड़ सकते हैं। लेकिन ऐसे में खुद को अपमानित महसूस करना या दूसरों को दोष देना सही नहीं है। इससे पहले कि आपकी भावनाएं आप पर हावी हों, धैर्यपूर्वक सोचें कि आखिर आप चाहते क्या हैं? सबसे बड़ी बात यह है कि आप खुद पर भरोसा करें कि आप चाहेंगे तो इसे जरूर कर लेंगे, बस आपका काम बन जाएगा।

बहाने ना बनाएं: कामयाब ना होने के पीछे सबसे बड़ी प्रवृत्ति है बहाने बनाना। कई लोग एक-दो प्रयासों में असफल होने के बाद बहाने बनाने लगते हैं, 'क्या करें लोग साथ नहीं देते...' या 'हमारी तो किस्मत ही साथ नहीं देती है।' ऐसा ना करें। हम सब जानते हैं कि बिना मेहनत किए हम सफल नहीं हो सकते। यदि आप वाकई सफल होना चाहते हैं तो पूरी शिद्दत से अपने कर्म में जुट जाएं और तब तक जुटे रहें जब तक कि आप कामयाब ना हो जाएं। *

जैसे दुनिया में खाने-पीने के शौकीनों की कमी नहीं है, वैसे ही एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट और कीमती व्यंजनों की दुनिया भर में उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ की कीमत जानकर आप हैरान रह जाएंगे। कुछ ऐसे ही महंगे फूड-आइटम्स पर एक नजर।

सोने-चांदी की तरह महंगे हैं ये फूड

रोचक
अंजू जैन

अकसर हम महंगाई की चर्चा करते हैं और आटा, तेल, नमक, दाल, सब्जियों जैसी रोजमर्रा के खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने पर चिंता जताते हैं। लेकिन दुनिया के कुछ खास हर्ब्स, फल, सब्जियों और मिठाइयों की कीमत इतनी ज्यादा है कि उनके बारे में जानकर आप चौंक जाएंगे। ऐसे ही कुछ फूड आइटम्स पर एक नजर-

व्हाइट अल्बा ट्रफल: यह गुंथे हुए आटे या कुछ-कुछ अदरक जैसी दिखती है। यह एक प्रकार की फंगस (कवक) है, जो दुनिया की सबसे महंगी हर्ब मानी जाती है। यह दक्षिणी यूरोप और उत्तरी अफ्रीका में पाई जाती है। इसका रंग क्रीम वाइट या लाइट पिंक होता है। इसका स्वाद ताजे अदरक और चीज जैसा लगता है। इसकी गंध और स्वाद दोनों तीखे होते हैं। इसे उगाना बहुत कठिन होता है और यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती है, इसीलिए यह इतनी महंगी होती है। इसकी कीमत प्रति किलो एक करोड़ रुपए तक हो सकती है।

मात्सुके मशरूम: यूं तो दुनिया में कई तरह के मशरूम पाए जाते हैं, लेकिन मात्सुके मशरूम

इनसे बिल्कुल अलग होता है। इसकी कीमत प्रति किलो 80 हजार रुपए तक हो सकती है। यह मशरूम जापान के अलावा यूरेशिया और उत्तरी अमेरिका के देशों में ज्यादा पाया जाता है। इसे

सोने की मिठाई

यूएई का दुबई शहर ऐश्वर्य, वैभव और विलासिता के लिए जाना जाता है। यहां शानदार होटल से लेकर लाजवाब फूड्स तक हर वो चीज मौजूद है, जो आपको हैरानी में डाल सकती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि दुबई के एक रेस्टोरेंट में सोने की मिठाई परोसी जाती है। दुबई के रेस्टोरेंट 'जो जू' में स्वीट डिश सोने की एक परत के साथ सर्व की जाती है। इस रॉयल मिठाई की चर्चा पूरी दुनिया में है। इस सोने की मिठाई की कीमत प्रति पीस करीब 25 डॉलर यानी इंडियन करेंसी में 2 हजार रुपए से कुछ अधिक होती है।

जापानी लोग खूब पसंद करते हैं। इनसे बनने वाले व्यंजन गाढ़े, रेशेदार और स्पाइसी होते हैं।

कोपी लूवक: यह दुनिया की सबसे महंगी कॉफी है। इसे सिर्फ इंडोनेशिया में ही उगाया जाता है। कॉफी के शौकीन टूरिस्ट, इस कॉफी को टेस्ट करने के लिए खासतौर पर इंडोनेशिया आते हैं। लेकिन इसका स्वाद वही चख सकता है, जो शौकीन होने के साथ-साथ अमीर भी हो, क्योंकि इसके एक पौंड यानी लगभग 450 ग्राम की कीमत होती है लगभग 1 लाख 25 हजार रुपए।

जापानी काला तरबूज: गर्मी के मौसम में आम और खरबूजे के साथ-साथ सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला फल तरबूज होता है। आमतौर पर आप तरबूज 30 से 50 रुपए प्रति किलो के हिसाब से खरीदते होंगे। लेकिन हम कहें कि एक ऐसा भी तरबूज होता है जिसकी कीमत 45 लाख रुपए प्रति किलो है, तो आप शायद यकीन नहीं करेंगे। जी हां, यह अनोखा काला तरबूज, सिर्फ जापान में ही उगाया जाता है। चूंकि इसका उत्पादन बहुत कम होता है, इसलिए इसकी कीमत इतनी ज्यादा होती है।

मूस चीज: यह एक खास प्रकार का चीज है, जो स्वीडन में मिलता है। गधी के दूध से बनने वाला मूस चीज, दुनिया के सबसे महंगे फूड आइटम्स की सूची में शामिल है। इसे मई से सितंबर के बीच में तैयार किया जाता है। इसके शौकीन लोग प्रति किलो 90 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक की कीमत चुका कर भी इसका स्वाद लेने से पीछे नहीं हटते। *

'कॉमेडी क्वीन' के नाम से मशहूर भारती सिंह ने अपने टैलेंट, मेहनत और लगन के बल पर टीवी इंडस्ट्री में एक खास मुकाम हासिल किया है। इन दिनों वह कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट हो रहे कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स' होस्ट कर रही हैं। इस शो, अपनी अब तक की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बेबाक बातचीत भारती सिंह से।

मैंने अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनाया: भारती सिंह

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

पचासी किलो वजन और पांच फीट हाइट के साथ पंजाब से आईं गोल-मटोल भारती सिंह ने कभी भी नहीं सोचा था कि उनका हैवी वेट, जो उनकी कमजोरी है, वही उनकी ताकत बन जाएगा। अपना ही मजाक उड़ाकर सबको हंसाने वाली भारती सिंह आज, टेलीविजन इंडस्ट्री और ग्लैमर वर्ल्ड का जाना-माना नाम हैं। टीवी शोज के अलावा भारती कुछ फिल्मों में भी नजर आई हैं। इन दिनों कलर्स पर प्रसारित हो रहे शो 'लाफ्टर शेफ्स' को लेकर **भारती सिंह** चर्चा में हैं। पेश है, उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

कलर्स के कॉमेडी शो 'लाफ्टर शेफ्स' में आप बतौर एंकर कितना एंज्वॉय कर रही हैं? इस शो को लेकर आपके कैसे एक्सपीरियंस हैं?

बहुत ही मजेदार एक्सपीरियंस हैं। मैं यह शो बहुत एंज्वॉय कर रही हूं। एक्चुअली, इस शो में मेरे दो फेवरेट काम हैं- खाना और हंसना। मुझे लगता है, मैं बहुत लकी हूं कि मुझे अपने दोनों पसंदीदा काम करने का मौका मिल रहा है। साथ में उस काम का पैसा भी मिल रहा है।

इस शो में एंकरिंग के दौरान क्या खास सीखने को मिला?

'लाफ्टर शेफ्स' शो जज एवं कंटेस्टेंट्स के साथ भारती

इस शो में मुझे तरह-तरह की वैरायटी वाला खाना बनाने का ज्ञान प्राप्त हो रहा है। वैसे तो मुझे सिर्फ देसी खाना ज्यादा अच्छा बनाना आता है, लेकिन इस शो में मुझे कई तरह की डिशेज सीखने का मौका मिला, जैसे-नूडल्स, केक, बर्गर एक्सेक्ट्रा। हर्ष (पति) और गोला (बेटा) दोनों ही खाने के शौकीन हैं। इसलिए इस शो से सीखकर मैं अपने ही हाथ से उनको अलग-अलग वैरायटीज के पकवान बनाकर खिला पाऊंगी।

'लाफ्टर शेफ्स' शो के जज हरपाल सिंह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा। हरपालजी अच्छे शेफ होने के साथ-साथ एक अच्छे, खुश-मिजाज इंसान भी हैं। हम दोनों मिलकर कंटेस्टेंट्स की एक्टिविटीज का बहुत मजा लेते हैं। हरपालजी को कृष्णा, कश्मीरा, सुदेश की मस्तियां देखकर बहुत ज्यादा मजा आता है।

आज आपने स्टैंड-अप कॉमेडियन और एंकर के रूप में टीवी इंडस्ट्री में जो स्थान बनाया है, वह कितना ईजी और टफ रहा?

आसान पहले भी नहीं था और आसान आज भी नहीं है। जिन हालातों में मैंने अपना करियर शुरू किया था, उस दौरान मेरा लोगों के बीच अपनी पहचान बनाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन-सा था। एक तो मेरा वजन ज्यादा था, कद भी छोटा था और मेरे पास किसी की कोई बैकिंग भी नहीं थी। बस इतना ही था कि मुझे अपनी काबिलियत पर भरोसा था। शुरुआत में मुश्किलें तो खूब आईं, लेकिन हजार कठिनाइयों के बावजूद मैंने कभी हार नहीं मानी। मैंने अपनी ही कमजोरी को अपनी ताकत बनाया, अपने मोटापे का मजाक उड़ाकर मैंने सबको खूब हंसाया। इसीलिए आज मैं यहां हूं। मैंने जो नाम, शोहरत और पैसा कमाया है, उसको बरकरार रखने के लिए भी बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

आप टीवी पर पहले से ही बहुत व्यस्त थीं, बावजूद उसके आपने यू-ट्यूब चैनल भी शुरू किया। क्या इसके पीछे की वजह और ज्यादा पैसा कमाना है?

यू-ट्यूब से जुड़ने के पीछे एक वजह लॉक डाउन के बाद टीवी इंडस्ट्री की आर्थिक स्थिति खराब होना भी रही। पहले अपने शोज में मुझे जितने पैसे मिलते थे, आज उसके आधे मिलते हैं। मेकर्स के पास आज इतना बजट ही नहीं है कि वे हमको ज्यादा पैसे दे सकें। यू-ट्यूब चैनल में अच्छी कमाई हो जाती है। साथ ही यह अपने फैंस के साथ लगातार जुड़े रहने का एक अच्छा माध्यम भी है। यही वजह है कि हमने यू-ट्यूब पर 'भारती टीवी पॉडकास्ट', 'एल-ओ-एल (लाइफ ऑफ लिंबाचिया)' और खुद का ब्लॉग भी शुरू किया, जो बहुत ही मजेदार है।

फिल्म इंडस्ट्री के कलाकारों के साथ आपकी अच्छी ट्यूनिंग नजर आती है। सलमान, शाहरुख से लेकर अक्षय कुमार, रणबीर कपूर तक आप सभी हीरोज के साथ मस्ती-मजाक और फ्लर्ट करती नजर आती हैं। ऐसे में आपके पति हर्ष का क्या रिएक्शन होता है?

मैं जो भी करती हूं, उसमें हर्ष की सहमति होती है (हंसते हुए)। हर्ष पर्सनली खुद भी बहुत मस्ती-खोर है। दरअसल उसकी लिखी हुई स्क्रिप्ट पर ही मैं एक्ट करती हूं। ये एक्टर्स और हर्ष दोनों ही जानते हैं कि मेरा हीरोज के साथ रोमांस और फ्लर्ट करना सिर्फ दर्शकों के मनोरंजन के लिए होता है। इसलिए बॉलीवुड हीरोज और हर्ष दोनों ही मेरे मस्ती भरे रोमांस को एंज्वॉय करते हैं। *

मेरा बेटा गोला बहुत बड़ा तूफान है

भारती सिंह अपने बेटे गोला से बहुत प्यार करती हैं। ऐसी भी चर्चा है कि वे दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रही हैं। इस बात में कितनी सच्चाई है, पूछने पर भारती कहती हैं, 'अरे नहीं! अभी तो एक ही नहीं संभल रहा मुझसे। एक्चुअली मेरा बेटा गोला बहुत बड़ा तूफान है, उसको पूरा घर मिलकर भी नहीं संभाल पाता। मैं गोला से बहुत प्यार करती हूं। जब कभी शूटिंग की वजह से घर पहुंचने में लेट होता है तो मैं उससे वीडियो कॉल पर बात जरूर करती हूं। फिलहाल तो गोला के साथ ही बिजी हूं, दूसरे बच्चे के बारे में मैं नहीं सोच रही हूं। मुझे दूसरा बच्चा चाहिए, लेकिन अभी नहीं। कुछ समय बाद ही दूसरे बच्चे की प्लानिंग करूंगी।'